RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 230 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, मंगलवार 7 जून 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

सुकमा के जंगल में कोबरा बटालियन को मिले दो आईईडी किया गया नष्ट

सुकमा। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों पर तेजी से काबू पाया जा रहा है। नक्सलियों के हथियारों व गोलाबारूद को भी लगातार जब्त कर नष्ट किया जा रहा है। हाल ही में एलमागुंडा और मिनपा के जंगल में सीआरपीएफ की कोबरा 206 बटालियन के जवानों को दो आईईडी मिले थे। कोबरा बटालियन के अनुसार इन शक्तिशाली आईईडी को सोमवार को नियंत्रित विस्फोट के जरिए नष्ट कर दिया गया। पूर्व में मिले बमों को भी इसी तरह सुरक्षित रूप से नष्ट किया गया था।

पाकिस्तानी ड्रोन पर बीएसएफ ने की फायरिंग, बच्चों के टिफिन बॉक्स में रखे तीन आईईडी बरामद

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान की नापाक साजिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया। बीएसएफ के जवानों ने मंगलवार को जम्मू जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन देखा, जिस पर सुरक्षाबलों ने फायरिंग की। इस दौरान ड्रोन ने भारत की सीमा में आईईडी बम को गिरा दिया।

आईईडी बम बच्चों के टिफिन बॉक्स में रखकर भेजे थे। दरअसल, अखनूर इलाके में पाकिस्तान की तरफ से एक भेजा गया संदिग्ध ड्रोन दिखाई दिया। पहले से अलर्ट जवानों ने इस ड्रोन पर फायरिंग की। संदिग्ध ड्रोन से सुरक्षाबलों ने लटक रहे सामान को गिरा दिया। जांच की तो पता चला कि वह आईईडी बम था। सुरक्षाबलों ने बाद में इसे निष्क्रिय कर दिया। इन आईईडी बमों में टाइमर सेट किया हुआ था।

जानकारी के अनुसार, बीएसएफ ने मंगलवार की रात को अखनूर के कनाचक इलाके में एक संदिग्ध ड्रोन गतिविधि देखी गई, इस पर जवानों ने गोलियां चलाईं। तत्काल पुलिस दल को तैनात किया गया और ड्रोन विरोधी एसओपी का पालन किया गया। ड्रोन से जुड़े पेलोड को नीचे लाया गया।

हसदेव अरण्य क्षेत्र में कोयला खदान परियोजना का विरोध, टीएस सिंहदेव बोले-

जंगलों का विनाश करके कोयला खनन उचित नहीं, रहना होगा एकजुट

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव ने कोयला खदान परियोजनाओं का विरोध कर रहे स्थानीय ग्रामीणों के समर्थन में सोमवार को सरगुजा जिले के हसदेव अरण्य क्षेत्र के गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यदि विरोध करने वालों पर लाठी या गोली चली तो इसे झेलने वाले वह पहले व्यक्ति होंगे।

मंत्री ने यह भी कहा कि वह दिल्ली जाएंगे और पार्टी नेता राहुल गांधी को प्रदर्शनकारियों के दर्द और उनकी मांगों से अवगत कराएंगे। सिंह देव की यह टिप्पणी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा यह कहने के एक दिन बाद आई है कि जो लोग हसदेव अरण्य क्षेत्र में कोयला खनन का विरोध कर रहे हैं, उन्हें पहले अपने घरों की बिजली बंद करनी चाहिए।

मंत्री के कार्यालय से जारी बयान में कहा गया है कि सिंह देव ने सोमवार को जिले के उदयपुर विकासखंड के घाटबर्रा, हरिहरपुर, साल्ही और बासन गांव का दौरा किया। उन्होंने आंदोलनकारियों को आश्वासन दिया कि वह उनकी लड़ाई में उनके साथ खड़े हैं। ये गांव परसा खदान और परसा पूर्व कांता बसन (पीईकेबी) के दूसरे चरण के कोयला परियोजनाओं से प्रभावित होंगे, जिसके लिए राज्य सरकार ने हाल ही में अंतिम मंजूरी दी थी। दो खदानें कांग्रेस शासित राजस्थान के राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) को आवंटित की गई थीं।

हरिहरपुर में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सिंहदेव ने कहा, अगर कोयले की जरूरत है तब वन भूमि के बजाय मैदानी क्षेत्र को लिया जाना चाहिए। जब हमारे पास 80 साल का कोयला भंडार है और हमने 2030 तक बिजली पैदा करने के लिए कोयले पर निर्भरता पूरी तरह से छोड़ देने का फैसला किया है, तब हम घने जंगलों और जैव विविधता से भरपूर हसदेव को क्यों नष्ट करें। मुझे लगता है कि इस (खनन) पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। अगर हम बिजली की जरूरत के लिए हसदेव के जंगल को नष्ट कर देते हैं, तो इसका हमारे पर्यावरण पर बहुत प्रभाव पड़ेगा।

लाठी चले या गोली सबसे सामने मैं होउंगा-सिंहदेव

मंत्री ने कहा, मैं यहां देर से (विरोध में) इसलिए आया हूं क्योंकि जब तक आप एकजुट नहीं होंगे, मेरे लिए कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा। मैं आपकी लड़ाई में हमेशा आपके साथ हूं, लेकिन आपको भी एक होना है। फिर चाहे गोली चलाई जाए या लाठीचार्ज की जाए, मैं सबसे पहले सामने होउंगा। अगर आप बंटे हुए हैं तब हमारे लिए आपके साथ खड़ा होना मुश्किल हो जाता है इसलिए आपको एकजुट रहना चाहिए। सिंह देव ने कहा कि जैसा कि ग्रामीण दावा कर रहे हैं कि ग्राम सभा (एक ग्राम सभा जिसे क्षेत्र में किसी भी परियोजना को मंजूरी देने के लिए बनाई गई) नकली थी, इसलिए इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जब जिला पंचायत, जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत नई ग्राम सभा चाहते हैं तो इनकी मांग को मान लिया जाना चाहिए।

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान बाघिन का मौत का मामला

बाघिन ने किया भैंस का शिकार और मांस खाते ही मौत, मवेशी मालिक ने रची साजिश!

अंबिकापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान में एक बाघिन की मौत से हड़कंप मच गया है। बाघिन की लाश एक दिन पुरानी बताई जा रही है। उसका शव खाई में मिला है। ऐसी आशंका है कि बाघिन का शिकार किया गया है। वन विभाग की टीम मामले की जांच कर रही है। वन विभाग की टीम ने 2 संदिग्धों को भी हिरासत में लिया है। फिलहाल बाघिन के शव का विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा पोस्टमार्टम किया जा रहा है। पीएम रिपोर्ट के बाद ही मौत की सही वजह का पता चलेगा। जंगल में अभी वन विभाग के अफसर और वन कर्मी मौजूद हैं। डॉग स्क्वॉयड को भी बुलाया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के रामगढ़ वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम सलगवांकला में मादा बाघ का शव मिला है। ग्रामीणों ने बाघ का शव देखा, जिसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई। जांच शुरू करने पर वन विभाग को पता चला कि शनिवार-रविवार की दरमियानी रात बाघिन ने एक भैंस का शिकार किया था। बाघ ने भैंस का आधा शरीर ही खाया था, जबकि आधा शरीर गांव के पास ही पड़ा था। आशंका है कि बाघ के गांव के पास आने से दहशत में ग्रामीणों ने भैंस के शव पर कीटनाशक डाल दिया। रात में जब बाधिन ने भैंस का मांस खाया तो संभवत: उसकी मौत हो गई।

भैंस मालिक की करतूत बताई जा रही

सूत्रों से मिली जानकरी के मुताबिक 4 जून को बाघिन ने भैंस का शिकार किया था। भैंस का मांस खाने के बाद उसकी मौत हो गई। भैंस का शिकार किए जाने से भैंस मालिक काफी आक्रोशित था। भैंस के बचे शव पर कीटनाशक का छिड़काव कर दिया था। रात को बाघिन ने भैंस का मांस खाया, जिससे उसकी मौत हो गई। बता दें कि गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान में बाघ, तेंदुआ, हाथी, वनभैंसा, चीतल सहित काफी संख्या में जानवर व पशु पक्षी विचरण करते हैं। इससे पहले भी यहां जंगली जानवरों का शिकार हो चुका है। छत्तीसगढ़ के दूसरे जंगलों में भी वन्य प्राणियों की शिकार का मामला थम नहीं रहा है।

रायपुर से स्पेशल टीम को बुलाया गया

वन विभाग की टीम मौके पर मौजूद है। वहीं रायपुर से भी एक स्पेशल टीम को बुलाया गया है। इस संबंध में राष्ट्रीय उद्यान के संचालक आर रामकृष्णा वाई ने बताया कि पीएम के बाद ही बाघिन की मौत के कारणों का पता चल सकेगा। बाघिन का शव खाई में मिला है। ऐसा भी हो सकता है कि वह खाई में गिर गई हो और उसकी मौत हो गई हो। वन विभाग की टीम जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत की सही वजह सामने आएगी।

नूपुर शर्मा को दिल्ली पुलिस ने दी सुरक्षा, जान से मारने की मिली धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पैगंबर मोहम्मद पर टीवी डिबेट के दौरान टिप्पणी के चलते विवादों में घिरीं नूपुर शर्मा और उनके परिवार को दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा दी है। नूपुर शर्मा और उनके परिवार की ओर से पुलिस में शिकायत दी गई थी कि उन्हें जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। इसके बाद पुलिस ने उन्हें सुरक्षा कवर दिया है। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, 'नूपुर शर्मा और उनकी फैमिली को पुलिस सुरक्षा प्रदान की गई है। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनको जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं और उनके बयान के बाद से उन्हें परेशान किया जा रहा है। नूपुर शर्मा ने एक टीवी डिबेट के दौरान पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी कर दी थी, जिसके बाद से बवाल मच गया था। एक तरफ भारत के कानपुर जैसे शहर में मुस्लिम समुदाय के लोग सड़कों पर उतर आए और हिंसा भड़क गई थी तो वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत को आलोचना झेलनी पड़ी है। कई देशों में तो ट्विटर पर अभियान ही चल गया और भारतीय उत्पादों के बहिष्कार की मांग उठने लगी थी।

सोनिया गांधी की भी बदलेगी पेशी की तारीख? कल पूछताछ की संभावनाएं कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी कोरोनावायरस संक्रमण का सामना कर रही हैं। इसी बीच खबर है कि उनके प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश होने की संभावनाएं नहीं हैं। श्र्वष्ठ ने उन्हें नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि, इससे पहले पार्टी ने कहा था कि सोनिया जांच एजेंसी के सामने समय पर पेश होंगी।

पार्टी नेताओं ने बताया कि बुधवार को सोनिया गांधी के ईडी के सामने पेश होने की संभावनाएं नहीं हैं। बीते हफ्ते ही कांग्रेस ने जानकारी दी थी कि सोनिया गांधी कोविड-19 की चपेट में आई गई हैं और उन्होंने खुद को आइसोलेट कर लिया है। इसके अलावा केसी वेणुगोपाल समेत कुछ कांग्रेस नेताओं के भी संक्रमित होने की खबर सामने आई थी।

खबर है कि सोनिया गांधी के स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर एजेंसी से छूट मांगी जाएगी। खास बात है कि इससे पहले पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के पेश होने की तारीख में बदलाव हो चुका है। वह 13 तारीख को एजेंसी के सामने पेश होंगे। ईडी ने राहुल को पहले 2 जून को पेश होने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने देश से बाहर होने के चलते नई तारीख की मांग की थी।

पूर्व मंत्री बृजमोहन ने सरकार पर साधा निशाना, कांग्रेस के लिए चरागाह बन गया छत्तीसगढ़, चरम पर है भ्रष्टाचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री व भाजपा विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने भूपेश बघेल सरकार पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस के लिए चारागाह बना हुआ है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस पार्टी का एटीएम है। भूपेश बघेल को छत्तीसगढ़ के लोगों की कोई चिंता नहीं, विकास की चिंता नहीं है। वह सिर्फ अपना पद बचाने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को खुश करने में जुटे हैं।

अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता का हित तिरोहित हो रहा है। प्रदेश की जनता परेशान है, हलाकान है, विकास के काम ठप पड़े हैं और मुख्यमंत्री हवा में विचरण कर रहे हैं। किसानों को पंप चलाने के लिए बिजली और खाद नहीं मिल रही और प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है। यह सरकार सिर्फ दो काम कर रही है। एक दिल्ली को पत्र लिखना और कमेटियां गठित करना। खुद को

क्या करना है इसके बारे में इनके पास कोई जवाब नहीं है।

भाजपा विधायक ने कहा कि राज्य सरकार हरियाणा के विधायकों को बुलाकर सेवा में लगी हुई है। जिस पार्टी को अपने ही जनप्रतिनिधि पर विश्वास नहीं है, उस पर जनता कैसे विश्वास कर सकती है। चिंतन शिविर पर बृजमोहन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी चिंतन नहीं, चिंता में है। पूरे देश में कांग्रेस पार्टी क्यों समाप्त हो रही है। पूरे देश की जनता कांग्रेस पार्टी को क्यों नकार रही है।

उन्होंने आगे कहा कि यह तो कंगाल सरकार है। यह दिवालिया सरकार है। केंद्र की सरकार डीजल में 17 रुपये और पेट्रोल में 15 रुपये कम कर चुकी है। क्या प्रदेश सरकार डीजल में 10 रुपये और पेट्रोल में 5 रुपये कम नहीं कर सकती।

अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार अपनी जिम्मेदारियों से भाग रही है और केंद्र पर आरोप लगाती है. पहले अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करें फिर बात करें। उन्होंने कहा कि होर्डिंग में लगता है कि पांच लाख बेरोजगारों को रोजगार दिया और जब विधानसभा में प्रश्न का उत्तर देते हैं तो 16 हजार बताते हैं। यह सिर्फ दिखावे का काम कर रही है। जितने का गोबर नहीं खरीदा उससे ज्यादा प्रचार कर रही है। सरकार का काम धरातल पर जीरो है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इस सरकार से कोई संतुष्ट नहीं है। मनरेगा, सफाईकर्मी, बिजली कर्मचारी, किसानों व डीए मांग रहे सरकारी कर्मचारियों की आवाज दबाई जा रही है। छत्तीसगढ़ अराजकता की तरफ जा रहा है।

स्थाई स्तंभ

परिणय सूत्र में आबद्ध हुए श्वान, संत बने समधी

दीपक रंजन दास

भारत में ऐसी कई परम्पराएं हैं जो कौतुहल जगाती हैं। कुण्डली का दोष मिटाने के लिए जहां मनुष्यों का विवाह पेड़ों से, पशुओं से कराया जाता है वहीं बारिश के लिए भी जीव जन्तुओं की शादी करवाई जाती है। भीषण गर्मी ने इस बार लोगों का हाल बेहाल कर रखा है। ऐसे में सभी लोग अपने-अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। इंदौर के मूसाखेड़ी स्थित राधाकृष्ण धर्मशाला में एक विवाह संस्कार संपन्न कराया गया। यहां कुत्ता टाइगर और कुतिया लूसी का ब्याह धूमधाम से कराया गया। जल को साक्षी मानकर पुरोहित रोहित शास्त्री ने विवाह संपन्न करवाया। इस विवाह का निमंत्रण पत्र बादल और बारिश के देवता इंद्र को भी दिया गया। यह एक टोटका है। माना जाता है कि कुत्तों का विवाह करवाने से इंद्रदेव प्रसन्न होते हैं और बारिश होती है। वैसे छत्तीसगढ़ में भी बारिश के लिए मेंढक मेंढकी का विवाह करवाने का चलन रहा है। इसी तरह का एक विवाह उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में सम्पन्न हुआ। भरुआ सुमेरपुर में कुत्ते कल्लू और कुतिया भूरी की शादी धूमधाम से कराई गई। मनासर बाबा शिवमंदिर के महंत स्वामी द्वारका दास महाराज (वर पक्ष) और परछछ गांव के बजरंगबली मंदिर के महंत स्वामी अर्जुन दास महाराज (कन्या पक्ष) समधी बन गए। दूल्हा-दुल्हन को बाकायदा सोने-चांदी के जेवरों से सजाया गया और पूरे गांव को दावत दी गई। अब जब बारिश के लिए इतने आसान और मजेदार टोटके हासिल हैं तो पर्यावरण बचाने के लिए कौन सिर खपाए। जंगल काटो, खदान खोदो, बिजली बनाओ और खूब एसी चलाओ। पर्यावरण बिगड़ता है तो बिगड़ता रहे। अपने पास टोटका है न। मेंढकों की, कुत्तों की शादिया करवाओ, इंद्रदेवता प्रसन्न हो जाएंगे तो बारिश होगी। अगर इंद्र देवता नाराज हुए तो कितने भी जंगल खड़े कर लो, सूखा पड़कर रहेगा।

संपादकीय

संयम का समय

भारतीय राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं के अमर्यादित बयान को लेकर जो विवाद उठा है, वह न सिर्फ दुखद, बल्कि चिंताजनक भी है। ध्यान रहे, अभिव्यक्ति के मामले में भारत दुनिया के सबसे संयमित देशों में एक रहा है। कूटनीतिक मोर्चे पर हमारी संवेदनशीलता, समझदारी और सावधानी दूसरों के लिए मिसाल रही है। ऐसे में, दो भाजपा प्रवक्ताओं के विवादित बयानों को लेकर खाड़ी के देशों में जो रोष दिख रहा है, उसे गंभीरता से लेने की जरूरत है और भारत सरकार के अलावा भाजपा ने भी समाधान की दिशा में सराहनीय कदम उठाए हैं। मर्यादा भूलने वाले इन प्रवक्ताओं को निलंबित करने के साथ ही जो आधिकारिक सफाई दी गई है, वह काबिलेगौर है। सत्तारूढ़ पार्टी ने उचित ही कहा है कि पार्टी को ऐसा कोई भी विचार स्वीकार्य नहीं है, जो किसी भी धर्म या संप्रदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाए। वाकई, यह आज के समय में एक ऐसी अपरिहार्य टिप्पणी है, जिसको गांठ बांधकर न केवल भाजपा, बल्कि अन्य पार्टियों को भी चलना चाहिए। गलतबयानी करने वालों ने खेद जताया है, तो उम्मीद करनी चाहिए कि बाकी सभी प्रवक्ता अब बहस में ज्यादा संयम से काम लेंगे। चिंता के अनेक पहलू हैं। एक टीवी डिबेट से बात बिगड़ती है और अंतरराष्ट्रीय राजनय का विषय बन जाती है। कतर, कुवैत, बहरीन और ईरान समेत कई देश ऐतराज जताते हुए कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। भारतीय प्रधानमंत्री, सत्तारूढ़ दल और भारत को आलोचना का निशाना बनाया जाता है। पाकिस्तान अपनी आदत के अनुरूप भारत के खिलाफकड़े कदमों की वकालत शुरू कर देता है। आलोचना करने वाले देश भले ही अपने यहां दूसरे धर्मों का वैधानिक-सामाजिक सम्मान नहीं करते हों, लेकिन भारत को सांप्रदायिकता के नाम पर आड़े हाथ लेने की इनकी आदत बढ़ रही है। अत: भारत सरकार को पूरी सजगता से इन देशों की गलतफहमी को दूर करना चाहिए, ताकि देश के लिए आगे कोई अप्रिय स्थिति पैदा न हो। भारत की तरफसे साफकर दिया गया है कि ये अमर्यादित बयान भारत सरकार के विचारों को नहीं दर्शाते हैं। ऐसा बयान देने वाले लोग भारत सरकार में किसी आधिकारिक पद पर नहीं हैं और पार्टी से भी उन्हें निलंबित कर दिया गया है। कट्टर से कट्टर प्रवक्ता को ध्यान में रखना चाहिए कि 80 लाख से ज्यादा भारतीय इन खाड़ी देशों में रहते हैं। इन देशों के साथ मनमुटाव हमारी मुश्किलें बढ़ा देगा। भारतीय लोग सर्वाधिक पैसा खाड़ी के देशों से ही स्वदेश भेजते हैं। भारतीय कंपनियां इन देशों में बहुत सक्रिय हैं। तो जहां एक ओर, अपने यहां लोगों को अरब देशों का मोल समझना चाहिए, तो वहीं अरब देशों को यह बात ठीक से समझानी चाहिए कि भारत में मुसलमान सबसे सुरक्षित हैं। क्या यह त्रासद स्थिति नहीं है कि तालिबान हमें सद्भाव की नसीहत दे रहा है? ईमानदारी से सोचना होगा कि तालिबान को बोलने का यह मौका कैसे मिला? क्या यह वही अफगानिस्तान है, जिसे हम गेहूं, दवाएं और कोविड के टीके मुफ्त दे रहे हैं? कट्टर मजहबी सियासत के अपने फायदे होंगे, पर यह किसी भी देश को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचा सकती है। भड़कने और भड़काने से बचना होगा। ताजा घटनाक्रम से देश विरोधी तत्वों को अंदाजा तो हो ही गया है कि भारत को कैसे निशाने पर लाया जा सकता है, अत: अपनी सभ्यता और सबकी आस्था को जगह देने के भारतीय संस्कार को संजोए हुए आगे बढ़ना होगा।

> “ कट्टर मजहबी सियासत के अपने फायदे होंगे, पर यह किसी भी देश को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचा सकती है। भड़कने और भड़काने से बचना होगा। ताजा घटनाक्रम से देश विरोधी तत्वों को अंदाजा तो हो ही गया है कि भारत को कैसे निशाने पर लाया जा सकता है, अत: अपनी सभ्यता और सबकी आस्था को जगह देने के भारतीय संस्कार को संजोए हुए आगे बढ़ना होगा।

कश्मीर में फिर आतंकवाद

जम्मू-कश्मीर में जबसे धारा 370 हटी है, वहां राजनीतिक उठा-पटक और आतंकवादी घटनाओं में काफी कमी हुई है लेकिन इधर पिछले कुछ हफ्तों में आतंकवाद ने फिर से जोर पकड़ लिया है। कश्मीर घाटी के एक स्कूल में पढ़ा रही जम्मू की अध्यापिका रजनीबाला की हत्या ने कश्मीर में तूफान-सा खड़ा कर दिया है। कश्मीर के हजारों अल्पसंख्यक हिंदू कर्मचारी सड़कों पर उतर आए हैं और वे उप-राज्यपाल से मांग कर रहे हैं कि उन्हें घाटी के बाहर स्थानांतरित किया जाए, वरना वे सामूहिक बहिर्गमन का रास्ता अपनाएंगे। उनका यह आक्रोश तो स्वाभाविक है लेकिन उनकी मांग को क्रियान्वित करने में अनेक व्यावहारिक कठिनाइयां हैं। यहां एक सवाल तो यही है कि क्या आतंकवादी सिर्फ हिंदू पंडितों को ही मार रहे हैं? यह तो ठीक है कि मरनेवालों में हिंदू पंडितों की संख्या ज्यादा है, क्योंकि एक तो वे प्रभावशाली हैं, मुखर हैं और उनकी संख्या भी ज्यादा है लेकिन रजनीबाला तो पंडित नहीं थी। वह तो दलित थी।

इसके अलावा हम थोड़े और गहरे उतरें तो पता चलेगा कि इस वर्ष अब तक आतंकवादियों ने 13 लोगों की हत्या की है, उनमें चार पुलिस के जवान थे, तीन हिंदू थे और छह मुसलमान थे। इन मुसलमानों में पुलिस वालों के अलावा पंच, सरपंच और टीवी की एक महिला कलाकार भी थी। कहने का अर्थ यह कि आतंकवादी सबके ही दुश्मन हैं। वे घृणा और घमंड से भरे हुए होते हैं। वे जिनसे भी घृणा करते हैं, उनकी हत्या करना वे अपना धर्म समझते हैं। क्या वे यह नहीं जानते यह कुकर्म वे इस्लाम के नाम पर करते हैं और उनकी इस करनी की वजह से इस्लाम सारी दुनिया में बदनाम होता रहता है। ऐसे ही हिंसक उग्रवादियों की मेहरबानी के कारण आज पाकिस्तान और अफगानिस्तान बिल्कुल खस्ता-हाल हुए जा रहे हैं। कश्मीर में इधर कुछ हफ्तों से आतंकवादी हमलों में जो बढ़त हुई है, उसका एक कारण यह भी लगता है कि ये आतंकवादी नहीं चाहते कि भारत-पाक रिश्तों में जो सुधार के संकेत इधर मिल रहे हैं, उन्हें सफल होने दिया जाए। इधर जब से शाहबाज शरीफ की सरकार बनी है, दोनों देशों के नेताओं का रवैया रचनात्मक दिख रहा है।

-वेद प्रताप वैदिक

> “ नए क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करके, ट्राइट नीति की व्यवस्था को समाप्त कर, निजी भागीदारी से दक्षता सुनिश्चित कर, नए बाजारों की तलाश और मांग का सृजन कर नागरिक उड्डयन की नई नींव रखी जा रही है। जैसे-जैसे भारत दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे यह घरेलू विमानन बाजार के मामले में भी सर्वश्रेष्ठ होने का खिताब हासिल करने की दिशा में तत्पर है।

विमानन के क्षितिज पर नई सुबह

ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री

जब भारत की पहली व्यावसायिक उड़ान ने सन 1911 में इलाहाबाद से नैनी तक उड़ान भरी, तब दुनिया को भारत जैसे कीमत के मामले में संवेदनशील और उभरते बाजार में उड्डयन क्षेत्र में किसी उल्लेखनीय विकास की उम्मीद कम ही थी। हालांकि, समय के साथ भारत के उभरते मध्यवर्ग ने परिवहन के इस साधन को अपनाया और इसी क्रम में बड़े पैमाने पर किफायत की वजह से हवाई किराये में गिरावट भी आई। कुल मिलाकर, वर्ष 2016 तक की भारतीय नागरिक उड्डयन क्षेत्र के विकास की यही कहानी है।

वर्ष 2016 में इस क्षेत्र में एक आमूल बदलाव हुआ। हवाई अड्डों के दरवाजे पहली बार उड़ान भरने वालों के लिए खोल दिए गए। पहली बार उड़ान भरने वालों में ज्यादातर हवाई चप्पल पहनने वाले, यानी भारत के गरीब से लेकर निम्न मध्यवर्गीय लोग थे। निश्चित रूप से यह रुझान केवल शहरों में रहने वालों तक सीमित नहीं था। दरभंगा, झारसुगुड़ा व किशनगढ़ जैसे शहरों का पहले भारत के विमानन मानचित्र पर नामोनिशान तक न था, ऐसी जगहों पर छोटे-छोटे हवाई अड्डे शुरू हो गए। दरभंगा व झारसुगुड़ा, दोनों हवाई अड्डों ने पिछले एक साल में क्रमश: 5.75 लाख और 2.4 लाख यात्रियों की सेवा की है।

यह वह बदलाव है, जिसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व ने नीति निर्माण के समेकित दृष्टिकोण के तहत की है और जिसने वाकई समाज के सबसे निचले तबके के लोगों को लाभान्वित किया है। 2016 में उड़ान योजना के माध्यम से हवाई यात्रा के लोकतंत्रीकरण की शुरुआत और हालिया हेली-नीति, नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में सरकार की दो सबसे बड़ी उपलब्धियां हैं। पिछले आठ वर्षों में (70 वर्षों में 74 हवाई अड्डों की तुलना में) भारत के पहले वाटर एयरोड्रॉम सहित 67 से अधिक हवाई अड्डों के साथ 90 लाख से अधिक यात्रियों ने उड़ान योजना के तहत विभिन्न उड़ानों के जरिये 419 उन नए मार्गों पर यात्रा की, जो साल 2014 तक नागरिक उड्डयन के दायरे से बाहर थे।

इस लोकतंत्रीकरण का मतलब किसी भी तरह से एयरलाइन उद्योग के विकास के साथ कोई समझौता करना नहीं था। घरेलू यात्रा करने वाले यात्रियों की वार्षिक संख्या 2013-14 में छह करोड़ से बढ़कर 2019-20 में 14.10 करोड़ तक पहुंच गई और 2023-24 तक इस संख्या के 40 करोड़ तक पहुंच जाने की उम्मीद है। उच्च लागत और अति-नियमन से बुरी तरह प्रभावित इस क्षेत्र में एक समय कंपनियों के लिए न सिर्फ प्रवेश करना कठिन हो गया था, बल्कि प्रवेश करने के बाद विमानन कंपनियों के लिए खुद को बनाए रखना और भी कठिन हो गया था।

पहले माहौल इतना प्रतिकूल था कि वर्ष 2005 से लेकर 2013 के बीच आधा दर्जन एयरलाइन कंपनियों को अपना कारोबार बंद करने पर मजबूर होना पड़ा, लेकिन 2014 के बाद इस सरकार के 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' के आदर्श वाक्य ने इस परिदृश्य को उलटकर रख दिया। निरर्थकता और अक्षमताओं को लगभग समाप्त कर दिया गया है। हमारे नियामकों, डीजीसीए और बीसीएएस ने अधिकांश प्रक्रियाओं को ऑनलाइन कर दिया है। घाटे में चल रही सरकारी एयरलाइन, एयर इंडिया के निजीकरण को अंतत: इस साल एक जीत में बदल दिया गया और परिपाटी के उलट जाकर 11 नई क्षेत्रीय एयरलाइन शुरू हुई हैं। इसके अलावा, दो नई एयरलाइन जल्द ही अपना परिचालन शुरू करने जा रही हैं।

इस क्षेत्र में तेजी के इस नए रुख को हवाई अड्डे से संबंधित बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर सरकारी एवं निजी निवेश द्वारा पूरक बनाया गया है। वर्ष 1999-2013 की अवधि में, सिर्फ तीन ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों का परिचालन शुरू किया गया था। इसके उलट पिछले आठ वर्षों में आठ नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे बनकर तैयार हुए हैं। इसके अलावा, इस वर्ष दो और हवाई अड्डे बनकर तैयार हो जाएंगे। यहां तक कि कोविड-19 का असर भी कैपेक्स पाइपलाइन के 93,000 करोड़ रुपये के व्यापक निवेश के माध्यम से हवाई अड्डों के विस्तार की हमारी योजनाओं में बाधक नहीं बन सकेगा। हवाई सेवा विस्तार की ये योजनाएं इस तरह से बनाई जाएंगी कि भारत में न सिर्फबुनियादी ढांचे, बल्कि शहरों के बीच परस्पर जुड़ाव में भी उछाल आएगा। अपने प्रमुख हवाई अड्डों को एविएशन हब में बदलकर, ज्यादा बड़े आकार वाले विमान लाकर और अपने द्विपक्षीय समझौतों पर फिर से विचार करके अमेरिका, ब्रिटेन, अफ्रीका और सुदूर यूरोप के लिए सीधे अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को प्रोत्साहित किया जाएगा।

दूसरा आमूल बदलाव इस क्षेत्र में एक नए संपूर्ण-सरकारी दृष्टिकोण के रूप में हुआ है, जिसने अब पूरे विमानन परिवेश या इकोसिस्टम पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। सरकार का नजरिया व्यापक हुआ है। फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन, ड्रोन, एयर कार्गो, एमआरओ, एयरक्राफ्ट लीजिंग आदि जैसे अब तक अनछुए संबद्ध क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर आर्थिक एवं रोजगार सृजन क्षमता की दृष्टि से देखा जा रहा है। नया ड्रोन नियम 2021, नई एफटीओ नीति, नई एमआरओ नीति जैसी उदार नीतियों के साथ-साथ उपयुक्त प्रोत्साहन ने भारत में इन उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए बढ़िया जमीन तैयार कर दी है। इनमें से प्रत्येक क्षेत्र नागरिक उड्डयन और पर्यटन को भारत के विकास के नए इंजन के रूप उभरने में समर्थ बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा। भारत को ड्रोन के मामले में विश्व में अग्रणी बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण की वजह से ड्रोन क्षेत्र ने भारत में एक क्रांति की शुरुआत की है। बदलाव की इस गति से उत्साहित, ई-वीटीओएल भी जल्द ही भारतीय आसमान में उड़ान भरेंगे और आने वाले दिनों में कम दूरी की हवाई यात्रा के परिदृश्य को पूरी तरह बदल देंगे।

नए क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करके, ट्राइट नीति की व्यवस्था को समाप्त कर, निजी भागीदारी से दक्षता सुनिश्चित कर, नए बाजारों की तलाश और मांग का सृजन कर नागरिक उड्डयन की नई नींव रखी जा रही है। जैसे-जैसे भारत दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे यह घरेलू विमानन बाजार के मामले में भी सर्वश्रेष्ठ होने का खिताब हासिल करने की दिशा में तत्पर है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

दक्षिण में ताकतवर होते दलित और दूसरों में पनपता रोष

एस श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार

गुजरी 24 मई को आंध्र प्रदेश के कोनसीमा का जिला मुख्यालय अमलापुरम वाकई में जलने लगा था। गुस्साई भीड़ ने सबसे पहले सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया और फिर एक राज्य मंत्री और एक विधायक के घरों में आग लगा दी। जगनमोहन सरकार द्वारा कोनसीमा का नाम बदलकर डॉ बीआर आंबेडकर कोनसीमा किए जाने से प्रदर्शनकारी नाराज थे। असल में, कोनसीमा की उर्वर भूमि कभी पूर्वी गोदावरी जिले का हिस्सा हुआ करती थी। यह गोदावरी नदी और बंगाल की खाड़ी के बीच स्थित है। इसके 17 मंडल हैं, जिनमें से सात में मुख्यत: अनुसूचित जाति के लोगों की बहुलता है। नाम बदलने की कवायद के साथ जिले को जाति के आधार पर भी बांटा गया है।

अपने प्रतिद्वंद्वी चंद्रबाबू नायडू को पछाड़ने के लिए मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी इस जिले का नाम बदलने पर राजी हुए, क्योंकि नायडू ने सत्ता में आने पर ऐसा करने का वादा किया था। इससे जहां दलित खुश थे, क्योंकि उनकी बहुप्रतिक्षित मांग पूरी हो रही थी, वहीं अन्य पिछड़ा वर्ग और कापू नाराज हो गए। कापू अगड़ी जाति में आते हैं, यह खेती-बाड़ी का काम करने वाली जाति है। इस समुदाय के लोगों ने पुराने नाम को बहाल करने की मांग करते हुए नारे लगाने शुरू किए- पुराना नाम सुंदर है, नए नाम की जरूरत नहीं है। और जल्द ही वहां भारी भीड़ जमा हो गई, जो हिंसक हो उठी। पुलिस ने तत्काल निषेधाज्ञा लगा दी। चंद्रबाबू नायडू की तेदेपा सहित तमाम राजनीतिक दलों ने हिंसा की निंदा की है, लेकिन एक-दूसरे पर दोषारोपण करने में भी उन्होंने देरी नहीं की। राज्य सरकार ने नाम बदलने की इस कवायद को सर्वसम्मति से लिया गया फैसला बताया है।

दलितों के खिलाफअगड़ी व मध्यम जातियों के गुस्से को समझना कठिन नहीं है। वे उनके अभूतपूर्व सर्वांगीण विकास से चिढ़े हुए हैं। दलित न सिर्फशिक्षा और रोजगार में बेहतर कर रहे हैं, बल्कि राजनीति, कृषि और कारोबार में भी उनकी उचित हिस्सेदारी दिखने लगी है। दलितों ने कड़ी मेहनत व दृढ़ संकल्प से अपनी यह हैसियत बनाई है। मसलन, एक खेतिहर मजदूर के परिवार में जन्म लेने वाले जीएमसी बालयोगी लोकसभा अध्यक्ष बने थे। जिस राज्यमंत्री पी विश्वरूप के घर को आग के हवाले कर दिया गया, उन्होंने विभिन्न सरकारों में 10 वर्षों तक मंत्री पद संभाला है। इस समुदाय ने पेशेवर काम-काज में भी अपनी योग्यता साबित की है। पी राधाकृष्ण आईआईटी, खड़गपुर से एम-टेक करने के बाद डीआरडीओ में वैज्ञानिक हुए। यूपीएससी पास करने के बाद वे कई राज्यों व केंद्रीय विभागों में सचिव भी बनेल।

देखा जाए, तो देश के विभिन्न इलाकों में दलितों का उदय विभिन्न रूपों में हो रहा है। सामाजिक सम्मान पाने के लिए वे नए-नए रास्ते तलाश रहे हैं, क्योंकि आर्थिक सम्पन्नता, यहां तक कि सत्ता में हिस्सेदारी भी उनको वांछित परिणाम नहीं दे रही है। सामाजिक रूप से अगड़ी और मध्यम जातियां उनका विरोध करती रही हैं। तमिलनाडु में मूलत: खेती-बाड़ी करने वाला दलितों का एक वर्ग तो खुद को दलित कहलाना पसंद नहीं करता है। उसने सरकार से गुजारिश करके खुद को अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल करने का अनुरोध किया है। केंद्र की भाजपा सरकार इस तरह के कदमों को तरजीह देती है, क्योंकि उसके लिए इसका अर्थ है हिंदुओं का ध्रुवीकरण। उत्तर प्रदेश में 1990 के दशक के उत्तरार्द्ध में जब राम-जन्मभूमि आंदोलन अपने चरम पर था, तब बसपा के संस्थापक कांशीराम ने भी रामायण के विभिन्न संस्करणों का प्रचार किया था, जिनमें कई पौराणिक कथाओं से उन्होंने दलितों की श्रेष्ठता स्थापित की थी। हिंदुत्व की काट खोजने के लिए उन्होंने शंबूक, एकलव्य, रविदास आदि की कहानियां परोसी थीं। अपने उद्देश्य में वह सफल भी हुए थे।

हालांकि, मायावती ने हालिया चुनावों में अलग रास्ता चुना। उन्होंने भाजपा सरकार द्वारा राम मंदिर के निर्माण का खुलकर समर्थन किया और भगवान परशुराम का आह्वान किया। उनका प्रयास ब्राह्मण समुदाय को अपनी तरफ लुभाना था। दलित-ब्राह्मण एकता की वकालत करके वह पहले चुनाव जीत चुकी हैं। हालांकि, इस बार हिंदुत्व के मजबूत नैरेटिव के खिलाफ वह सफल न हो सकीं। यही वजह है कि दलितों का सवाल अधर में है। उनका एक बड़ा हिस्सा कांग्रेस का हाथ झटक चुका है और भाजपा की ओर ताक रहा है, जो उनकी ओर 'समरस' का हाथ बढ़ा रही है। शिक्षाविदों का कहना है कि यह उसकी सोची समझी चाल है, क्योंकि पार्टी 'समता' की वकालत नहीं करती। जाहिर है, विचार-विमर्श बेशक चल रहा हो, लेकिन कड़वा सच यही है कि दलित समुदाय अब भी सामाजिक सम्मान से दूर है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

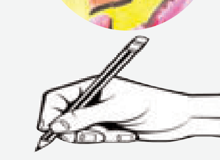

जीवन में तीन चीजें महत्वपूर्ण है ईमानदारी, सच्चाई और मेहनत, इसी से हमरा वजूद है।

-अंजली जैन

7024460938

आठ साल बाद की चुनौतियां

अजीत द्विवेदी

उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद यह मानने वालों की संख्या बढ़ी है कि 2024 का चुनाव 'डन डील' है। वैसे बौद्धिक लोग भी उम्मीद छोड़ चुके हैं, जो लगातार दो बार के शासन के बाद एंटी इन्कम्बैंसी के हवाले 2024 में बदलाव की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन क्या सचमुच ऐसा है? क्या सचमुच 2024 का चुनाव 'डन डील' है? इस बारे में कोई भी भविष्यवाणी करना जल्दबाजी होगी, जैसा कि चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर बार बार कह रहे हैं कि लोकसभा का चुनाव राज्यों के चुनाव से अलग होगा। वह देश का चुनाव होगा और अलग तरह से लड़ा जाएगा। इसलिए चुनावी भविष्यवाणी या नतीजों की अटकलबाजी में अभी से उलझने की जरूरत नहीं है। वैसे भी लोकसभा चुनाव से पहले 10 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं और उनके नतीजों से भी आम चुनाव का माहौल बनेगा।

उससे पहले मोदी सरकार के आठ साल पूरे करने के मौके पर दो बातों पर विचार जरूरी है। पहली बात तो यह है कि मोदी की ताकत क्या है, जिससे वे लंबे समय तक सत्ता में टिके रहते हैं और अपने विरोधियों को पस्त करते हैं? दूसरी बात यह है कि आठ साल के राज के बाद उनके सामने क्या चुनौतियां हैं? जब हम चुनौतियों की बात करते हैं तो वह सिर्फ राजनीतिक विरोधियों की तरफ से पेश आने वाली चुनौतियां नहीं हैं। कुछ चुनौतियां ऐसी हैं, जो पिछले आठ साल में सरकार द्वारा किए गए या समय पर नहीं किए गए फैसलों की वजह से पैदा हुई हैं। कुछ चुनौतियां ऐसी हैं, जो वैश्विक हालात की वजह से पैदा हुई हैं और कुछ चुनौतियां देश में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सरकार या सत्तारूढ़ दल की मदद से बनाई जा रही परिस्थितियों की वजह से पैदा हुई हैं। अभी भले ऐसा लग रहा हो कि ये जो परिस्थितियां पैदा हुई हैं या की गई हैं वे अनुकूल हैं लेकिन अंतत: उनसे नुकसान होना है।

अगर नरेंद्र मोदी के लंबे समय तक सत्ता में टिके रहने के नुस्खे या उनकी ताकत की बात करें तो दो चीजें प्रत्यक्ष रूप से उभर कर सामने आती हैं। पहली चीज है उनकी 'लार्जर दैन लाइफ' छवि। यह छवि उनके गुजरात का मुख्यमंत्री बनने से पहले से गढ़ी जाने लगी थी। अब इसका चरमोत्कर्ष आ गया है। अब वे हर तरह के आरोप-प्रत्यारोप से मुक्त हो चुके हैं। किसी तरह का आरोप उनके ऊपर नहीं चिपकता है। यह करिश्मा है कि अपनी ही सरकार के गलत फैसलों से होने वाले नकारात्मक प्रभाव से भी वे अछूते रहते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि बुरा हो रहा होता है तब भी वे खुद और उनकी पार्टी बताती है कि सब अच्छा हो रहा है। जैसे अभी उन्होंने कहा कि आठ साल में कोई ऐसा काम नहीं किया, जिससे देश को शर्मिंदा होना पड़े। उनके इस तरह के भाषण नैरेटिव निर्माण के सबसे पावरफुल टूल्स हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

न्याय सब्बो बर-सब्बो डहर के ध्येय को पूरा कर रही छत्तीसगढ़ सरकार

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। देश-दुनिया में छत्तीसगढ़ की पहचान बीते साढ़े तीन साल के दरम्यान ग्रामीणों और किसानों के साथ न्याय करने वाले राज्य के रूप में कायम हुई है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 'न्याय सब्बो बर-सब्बो डहर' के ध्येय को लेकर योजनाएं लागू की जा रही हैं और उनका क्रियान्वयन भी तेजी से किया जा रहा है।

राज्य के ग्रामीणों, किसानों, मजदूरों, गरीबों और महिलाओं के हितों की रक्षा और उन्हें सीधे-सीधे लाभ पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने जो फैसले लिए हैं। इसकी वजह से किसान, मजदूर और ग्रामीणों के जीवन में खुशहाली का नया दौर शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ सरकार ने बीते साढ़े तीन साल में अपनी नीतियों से ग्रामीण और किसानों को न सिर्फ सम्मान से जीने का अवसर उपलब्ध कराया है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई गति दी है। वास्तव में छत्तीसगढ़ सरकार की यही रणनीति छत्तीसगढ़ के विकास का मॉडल है, जिसकी आज पूरे देश में चर्चा हो रही है। गौरतलब है कि विभिन्न वर्गों के लिए 'न्याय' की कड़ी में छत्तीसगढ़ राज्य में गरीब ग्रामीण भूमिहीन परिवारों

को सीधे आर्थिक मदद पहुंचाने के लिए भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी के नाम से राजीव गांधी ग्रामीण कृषि मजदूर न्याय योजना शुरू की गई। इस योजना का शुभारंभ 3 फरवरी 2022 को सांसद राहुल गांधी ने किया था। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में योजना के शुभारंभ मौके पर आयोजित भव्य समारोह में राज्य सरकार द्वारा योजना के तहत पात्र 3 लाख 55 हजार भूमिहीन कृषक मजदूरों को डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों राशि अंतरण किया गया था। तब राज्य सरकार ने हितग्राही परिवार को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये आर्थिक सहायता देने का प्रावधान किया था, जिसे वित्तीय वर्ष 2022-23 से 7 हजार रुपये कर दिया गया है। हितग्राहियों को वर्ष 2022-23 की प्रथम किश्त के रूप में 71 करोड़ 8 लाख 4 हजार रुपए की राशि जारी भी कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि इस योजना के जरिए समाज के उन परिवारों को सीधी मदद मिल रही है, जिनका जीवन-यापन खेतिहर मजदूर के रूप में होने वाली आय पर निर्भर है। छत्तीसगढ़ में राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के अंतर्गत लगभग 3 लाख 55 हजार 402 ऐसे परिवार पंजीकृत हुए हैं, जिनके पास कृषि भूमि नहीं है और वह मजदूरी कर जीवन-यापन करते हैं। ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों के अंतर्गत चरवाहा, बढ़ई, लोहार, मोची, नाई, धोबी, मांझी, चालकी, गायता, सिरहा, पुजारी, गुनिया और पुरोहित जैसे पौनी-पसारी व्यवस्था से जुड़े परिवार, वनोपज संग्राहक तथा समय-समय पर नियत अन्य वर्ग भी पात्र हैं। भूमिहीन परिवारों को लाभान्वित करने की छत्तीसगढ़ सरकार की यह अभिनव योजना है।

घर में किचन गार्डन और वृक्ष लगाने से होगा हरित घर, हरित जिंदगी

ग्राम रीवागहन की पोषण वाटिका में किया गया पौधारोपण

श्रीकंचपथ न्यूज

राजनांदगांव। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम रीवागहन में पोषण वाटिका (किचन गार्डन) में बीज और फलदार पौधों का पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम अंतर्गत पिरामल फाऊंडेशन द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत गठित स्वसहायता समूहों की महिलाओं को घर से निकले वाले पानी का उपयोग कर किचन गार्डन बनाने के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही किचन गार्डन के फायदों के बारे में में भी बताया गया।

पर्यावरण संरक्षक के अभियान में स्वसहायता समूह की महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम अंतर्गत पिरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर हेमन्त कुमार वर्मा ने महिलाओं को बताया कि किचन गार्डन को घर से निकलने वाले पानी का उपयोग कर बना सकते हैं। किचन गार्डन के विभिन्न फायदे हैं। हरी सब्जी को घर में ऊगा सकते हैं। किचन से और बाथरूम से निकले हुए पानी को किचन गार्डन से जोड़ कर पानी की बचत की जा सकती है। अधिक आयरन वाली सब्जी लगाएं, जिससे कुपोषित बच्चों के पोषक तत्व की सब्जी मिलेगी है। साथ ही वृहद मात्रा में सब्जी उत्पादन किया जाए तो बाजार में भी ब्रिकी कर आमदनी भी मिलेगी।

एनआरएलएम के जिला मिशन प्रबंधक पिनाकी देशारकर ने जिले में स्वसहायता समूह से बाड़ी और किचन गार्डन को को अधिक से अधिक लगाने की जानकारी दी। हिमांजलि सिरदार ने बताया कि गांव मे 13 स्वसहायता समूह द्वारा बाड़ी के साथ किचन गार्डन को बढ़ावा दे रहें है। गांव की अन्य महिलाओं को भी इसका महत्व बता रही हैं। गांधी फेलों की निधि निरला ने कहा की किचन गार्डन में अधिक से अधिक हरी पत्तेदार और आयरन से भरपूर सब्जी उत्पादन कर तथा उसका उपयोग कर महिलाएं और किशोरियों को एनीमिया से बचाया जा सकता है। अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण अजीविका मिशन और पिरामल फाउंडेशन ने सभी को अधिक से अधिक पेड़ और किचन गार्डन लगाने के साथ हरित घर, हरित जिंदगी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में सीएलपी दीपक सूर्यवंशी, वाईपी हिमांजलि, जननी समूह से कृषि सखी सुरेखा पटेल, जानकी पटेल, रामेश्वरी पटेल, रेणुका साहू तथा स्व सहायता समूह की महिलाओं ने पौधा रोपण कर मैं पर्यावरण सरक्षक हूँ, अभियान में शामिल हुए।

खास खबर

आज से तापमान में गिरावट की संभावना

रायपुर। प्रदेश में आज एक दो स्थानों पर हल्की बारिश अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। वहीं कुछेक स्थानो पर गरज चमक के साथ वज्रपात होने की तथा अंधड़ चलने की संभावना है। मौषम विभाग के अनुसार आज से प्रदेश में अधिकतम तापमान में गिरावट का दौर प्रारंभ होने की भी संभावना है। मौषम विभाग के अनुसार एक उपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा पूर्वी उत्तर प्रदेश उपर 0.9 किलोमीटर उंचाई तक विस्तारित है। एक द्रोणिका पूर्वी उत्तर प्रदेश से तटीय आंध्रप्रदेश तक पूर्वी मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ होते हुए 0.9 किलोमीटर उंचाई तक विस्तारित है। दूसरा द्रोणिका पूर्वी उत्तर प्रदेश से उत्तर बांग्लादेश तक बिहार,पश्चिम बंगाल के उप हिमालय क्षेत्र,सिक्किम होते हुए 0.9 किलोमीटर उंचाई तक विस्तारित है।

पर्यावरण दिवस पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सूरजपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के दिशा निर्देश एवं जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर अशोक कुमार साहू के निर्देशन में विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर की ओर से ग्राम पंचायत केश्वनगर गौठान परिसर एवं ग्राम पंचायत भवन गिरवर गंज विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आनंद कुमार सिंह, व्यवहार न्यायाधीश, वर्ग-1, विवेक कुमार टण्डन, व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2, अजय कुमार लकड़ा, व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2, संदीप कुमार पटेल, आई.पी.एस. थाना प्रभारी विश्रामपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दोनो स्थानों पर 7 फलदार वृक्ष रोपण किया गया। कार्यक्रम में आनंद कुमार सिंह ने कहा पर्यावरण की रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य बनता है अगर पेड़ नहीं रहेंगे तो धरती पर जल नहीं रहेगा।

कांकेर के पहले ग्रामीण औद्योगिक पार्क, गांधी ग्राम कुलगांव के लोकार्पण के मौके पर पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा

ग्रामीण औद्योगिक पार्क से सुराज का सपना छत्तीसगढ़ में हो रहा साकार

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। गांधी जी के सुराज का सपना था आत्मनिर्भर और तेजी से बढ़ती ग्रामीण औद्योगिक ईकाई। कांकेर जिले के पहले ग्रामीण औद्योगिक पार्क, गांधी ग्राम कुलगांव को देखकर महसूस हो रहा है कि हम गांधी जी के सपनों को पूरा करने की दिशा में सफल हो रहे हैं। यह बात मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गांधी ग्राम कुलगांव के लोकार्पण के अवसर पर कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौठानों को हमने रोजगार ठौर के रूप में विकसित करने के निर्देश दिये थे ताकि बड़ी ग्रामीण आबादी को विभिन्न रोजगारमूलक गतिविधियों से जोड़ा जा सके। यह काम कितना उपयोगी हो सकता है और इससे लोगों के लिए किस बड़े पैमाने पर आर्थिक अवसर पैदा किये जा सकते हैं गांधी ग्राम कुलगांव इसका सुंदर उदाहरण है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी की प्रतिमा का माल्यार्पण करने के बाद केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने ढेंकी से चावल निकाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारी सुंदर परंपरा है और इससे धान की गुणवत्ता भी सुरक्षित रहती है। उन्होंने विभिन्न स्वसहायता समूहों द्वारा की जा रही रोजगारमूलक गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस मौके पर विधानसभा उपाध्यक्ष मनोज मंडावी, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया, संसदीय सचिव शिशुपाल सोरी, मुख्यमंत्री के सलाहकार राजेश तिवारी एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

लोन माफ करने के निर्णय से खुशी से भर गई समूह की महिलाएं- गांधी ग्राम ग्रामीण औद्योगिक पार्क के लिए वन विभाग ने इंदिरा वन मितान समूह कुलगांव को 50 लाख रुपए का लोन चक्रीय निधि से दिया था। जब मुख्यमंत्री ने पार्क देखा और अद्भुत कल्पनाशीलता के साथ हो रहा कार्य देखा तो बड़े खुश हुए और समूह का 50 लाख रुपए का ऋण माफ करने की घोषणा की। घोषणा होते ही समूह की महिलाएं खुशी से भर गईं और उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

लेयर फार्मिंग के माध्यम से अंडों का उत्पादन, उधर मछली आहार निर्माण भी - मुख्यमंत्री ने पार्क के आदर्श गौठान में केज सिस्टम के माध्यम से लेयर फार्मिंग और अंडा उत्पादन का कार्य देखा। शीतला स्वसहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि हर दिन लेयर फार्मिंग के माध्यम से 150 से 180 अंडे का उत्पादन हो रहा है और इसे आंगनबाड़ी में बेचा जा रहा है। इससे 50 हजार रुपए का लाभ प्राप्त हो चुका है। वहीं पूजा स्वसहायता समूह की महिलाएं मछली आहार का उत्पादन कर रही हैं और इसके माध्यम से 60 हजार रुपए कमा चुकी हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने 10 क्विंटल मछली आहार के फ्लोटिंग वाहन को रवाना किया। यहां उन्होंने दोना पत्तल निर्माण ईकाई भी देखी। जय बूढ़ादेव समूह द्वारा हर दिन लगभग दस हजार पत्तल बनाये जा रहे हैं। सरस्वती स्वसहायता समूह दलहन के प्रसंस्करण का कार्य और जय सेवा समूह हल्दी मिर्च का प्रसंस्करण कार्य कर रही हैं। इसी तरह हथकरघा वस्त्र प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं से भी मुख्यमंत्री ने चर्चा की। साथ ही यहां बकरीपालन आदि की गतिविधि भी की जा रही है।

आम काटने स्टील के चाकू का उपयोग करें, महुआ संग्रहण के लिए नेट का उपयोग करें- मुख्यमंत्री ने ग्रामीण औद्योगिक केंद्र में चल रही गतिविधियों के दौरान समूह की दीदियों को सुझाव भी दिये। उन्होंने कहा कि आम काटने स्टील के चाकू का उपयोग करें। लोहे के चाकू से काटने से अमचूर काला पड़ जाता है। कटेकल्याण में महुआ इकट्ठा करने नेट का प्रयोग किया जा रहा है। आप लोग भी नेट का प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि बकावंड में काजू प्रसंस्करण हो रहा है।

दीक्षांत समारोह के आयोजन पर विद्यार्थियों ने माना कुलपति का आभार

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय पहुंचकर कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत समारोह में समय पर उपाधि प्राप्त होना एक सुखद और अविस्मरणीय पल रहा है। कोरोना की विषम परिस्थितियों से उबरकर एक साथ तीन बैच के विद्यार्थियों को उपाधि प्राप्त हुई है। इतनी बड़ी संख्या में सभी विद्यार्थियों को मंच से उपाधि प्राप्त होना इस दीक्षांत समारोह के लिए महत्वपूर्ण रहा है। इसके लिए सभी विद्यार्थियों द्वारा कुलपति प्रो. शर्मा का आभार व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर प्रो. शर्मा ने उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि अब वे देश और समाज के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर अपना अपने परिवार और अपने विश्वविद्यालय का नाम रौशन करें। व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठकर हमें अपने जीवन में आगे बढ़ते रहना चाहिए। इसी से हमें यश और प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र त्रिपाठी, फैकल्टी सदस्य वर्षा शर्मा, अतुल प्रधान, सहित उपाधि प्राप्त विद्यार्थी आकाश चौबे, रिया शर्मा, कृति शर्मा, अमान खान, राम सोनकर, सोमेश पटेल, नागेन्द्र, अविनाश मांडले, सौम्या दुबे, ऋषभ, सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

टेली-मेडिसीन सप्ताह के पहले दिन 13,278 लोगों के स्वास्थ्य की जांच

प्रदेश के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में 11 जून तक मनाया जा रहा है टेली-मेडिसीन सप्ताह

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 6 जून से 11 जून तक टेली-मेडिसिन सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है।

हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र पामभोई ने बताया कि आज पहले दिन सामान्य रोगों एवं मानसिक व्याधियों से पीड़ित रोगियों को स्वास्थ्य परामर्श की गई जिसमें,13 हजार 278 लोगों की जांचकर उपचार प्रदान किया गया। प्रदेश के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में आज टेली-मेडिसीन सप्ताह की शुरुआत की गई।

डॉ. पामभोई ने बताया कि टेली-मेडिसीन सप्ताह के पहले दिन आज कोरिया जिले में 1637, महासमुंद में 1359, बलौदाबाज़ार-भाटापारा में 1018, कबीरधाम में 978, जांजगीर-चांपा में 973, रायगढ़ में 852 और सूरजपुर में 807 लोगों के स्वास्थ्य की जाँच की गई। उन्होंने बताया कि टेली-मेडिसीन सप्ताह के तहत 7 जून को गैर-संचारी (एनसीडी) रोगों की जाँच एवं उपचार किया जाएगा। सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक यह सुविधा प्रदान की जाएगी।

कला जत्थों के माध्यम से राज्य के ग्रामीण इलाकों में किया जा रहा है शासकीय योजनाओं का व्यापक प्रचार

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की कल्याणकारी योजनाओं एवं जनहितैषी फैसलों का राज्य के ग्रामीण इलाकों में जनसम्पर्क विभाग द्वारा कला जत्थों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। कला जत्था गीत-संगीत और नाटक के माध्यम से लोगों को शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रावधान की जानकारी देने के साथ ही इसका लाभ उठाने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित कर रहे हैं।

राज्य के सूदुर अंचल सरगुजा से लेकर बस्तर के वनांचलों में लगने वाली साप्ताहिक हाट-बाजारों में कला जत्था द्वारा सरकार की सुराजी गांव योजना नरवा-गरवा, घुरवा-बाड़ी, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, हाट-बाजार क्लिनिक, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, वनाधिकार पट्टा, मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना, श्री धन्वतरी मेडिकल स्टोर सहित अन्य योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी जा रही है। राज्य शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार में लगभग 60 कला जत्था के कलाकार लगातार कार्यक्रम की प्रस्तुति दे रहें हैं। इस दौरान ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार सामाग्री का वितरण भी किया जा रहा है।

कला जत्था के माध्यम से शासकीय योजनाओं को प्रचार-प्रसार के दौरान प्रस्तुत गीत-संगीत और नाटक को देखने और सुनने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच रहे हैं। बलौदाबाजार जिले में स्पर्श सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थान रायपुर, अभिनट फिल्म एवं नाट्य फाउंडेशन रायपुर एवं एच-9 इन्फ्रा एवं सर्विस द्वारा विभिन्न गांवों में प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जा रही है। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में अब तक ग्राम पहंदा, दशरमा, पुरैनाखपरी, मोहतरा, रसेड़ा, डमरू, मगरचबा, बिनौरी, सकरी कुकरदी, पौसरी, करमदा, पनगांव, बिटकुली, डोटोपार, भाटापारा से सूरजपुरा, दतरेंगी, दतरेंगा, कड़ार, जरहागांव,सिंगारपुर सेमराडीह, निपनिया, भरतपुर,ल, पेन्ड्री, मांचाभाट, खम्हरिया, खैरा, राजाढार,गोपालपुर, मुच्छमल्दा, बिलासपुर, मनपसार, गाताडीह, में कला जत्थों द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जा चुकी है।

सहकारी बैंक के अध्यक्ष बैजनाथ चंद्राकर ने ली विभागीय समीक्षा बैठक

श्रीकंचपथ न्यूज

रायगढ़। अध्यक्ष छ.ग.राज्य सहकारी बैंक बैजनाथ चंद्राकर कल अपने एक दिवसीय रायगढ़ प्रवास के दौरान कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विभागीय गतिविधि एवं योजनाओं के संबंध में समीक्षा बैठक लिए। इस दौरान उन्होंने खरीफ सीजन 2022 में अल्पकालीन कृषि ऋण वितरण, समितियों में धान का उठाव/मिलान, राजीव गांधी किसान न्याय योजना एवं गोधन न्याय योजना तथा धान के बदले अन्य फसलों के लिए ऋण वितरण व वसूली के संबंध में चर्चा की। बैठक के दौरान रायगढ़ विधायक प्रकाश नायक, जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल, छ.ग.राज्य सहकारी बैंक मर्यादित मुख्यालय के सहायक महाप्रबंधक भूपेश चंद्रवंशी, प्रबंधक अभिषेक तिवारी एवं ए.के.लहरे उपस्थित रहे।

चंद्राकर ने सभी समितियों को जल्द से जल्द आधार एनेबल्ड माइक्रो एटीएम मशीन दिलाए जाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने बैंक की शाखाओं को पर्याप्त रुपे एटीएम कार्ड भी दिलाए जाने की बात कही। गोधन न्याय योजना में रायगढ़ जिले में प्रशंसनीय कार्य के लिए चंद्राकर ने जिला प्रशासन की तारीफ की। विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी एस.पी.सिंह एवं उप महाप्रबंधक व नोडल अधिकारी सुनील सोढ़ी द्वारा बताया गया कि खरीफ सीजन 2022 में ऋण वितरण लक्ष्य 215 करोड़ के विरूद्ध 1 अप्रैल 2022 से अब तक 12 हजार 605 किसानों को 43.91 करोड़ का फसल ऋण वितरण किया गया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

ऑनलाइन जन शिकायतों के निराकरण में छत्तीसगढ़ देश में अव्वल

रायपुर। ऑनलाइन जन शिकायतों के निराकरण में पूरे देश भर में छत्तीसगढ़ ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए अव्वल स्थान पर अपनी पहुंच बनायी है। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग की बैठक में छत्तीसगढ़ की इस उपलब्धि के लिए सराहना की गई है। भारत सरकार के लोक शिकायत निराकरण के लिए बने पोर्टल CPGRAMS में प्राप्त आवेदनों में से 97 प्रतिशत आवेदनों के निराकरण के साथ छत्तीसगढ़ को प्रथम स्थान पर दर्शाया गया है। गुणवत्ता युक्त निराकरण के लिए भी राज्य सरकार की सराहना की गई है। राज्य में विगत पांच वर्षों से तीन जून 2022 तक की स्थिति में प्राप्त 62 हजार 738 आवेदनों में से 60 हजार 998 आवेदनों का निराकरण कर दिया गया है। लोक शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव द्वारा लगातार बैठकें ली जाती हैं तथा आवश्यक दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन विभागीय अधिकारियों को दिए जाते है। दर्ज प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से एक बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई की जाती है। इसके लिए प्रतिदिन आठ जिला मुख्यालयों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा राज्य के मंत्रालय से जोड़ा जाता है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दूरस्थ जिले के आवेदक भी उपस्थित होकर अपनी बात रखते हैं। भारत सरकार का ऑनलाइन पोर्टल CPGRAMS (Pgportal) है। जिसमें ऑनलाइन शिकायत दर्ज की जा सकती है। राज्य सरकारों को उनसे संबंधित आवेदन ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए जाते हैं। इस पोर्टल के प्रकरणों की समीक्षा भारत सरकार का लोक शिकायत एवं प्रशासनिक सुधार विभाग तथा प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा समय-समय की जाती है। देश के सभी राज्यों की समीक्षा बैठक के दौरान यह जानकारी भारत सरकार द्वारा दी गई है।

मध्यान्ह भोजन और पूरक पोषण आहार के लिए दिया जा रहा है फोर्टिफाईड चावल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्कूलों में मध्यान्ह भोजन योजना तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों में पूरक पोषण आहार योजना के तहत फोर्टिफाईड चावल का वितरण किया जा रहा। यह व्यवस्था सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से सभी जिलों में पिछले वर्ष दिसम्बर माह से की गई है। फोर्टिफाईड चावल लोगों को खुराक में जरूरी पौष्टिक तत्वों की पूर्ति के साथ ही कुपोषण के नियंत्रण में मददगार होती है। फोर्टिफाईड चावल आयरन, फोलिक एसिड एवं विटामिन बी-12 भरपूर होता है। इसमें मौजूद आयरन खून की कमी को दूर करता है जिससे एनीमिया से बचाव होता है। हमें अपने प्रतिदिन अपने खान-पान में नियमित रूप से फोर्टिफाईड चावल को लेना चाहिए। फोर्टिफाईड चावल में मौजूद फोलिक एसिड गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के शरीर में भ्रूण विकास और रक्त निर्माण में सहायता करता है। इसी तरह विटामिन बी-12 शरीर में खून के निर्माण और नर्वस सिस्टम के सामान्य काम-काज में सहायक होता है।

गौरतलब है कि फोर्टिफाईड चावल की खूबियों और पौष्टिकता को देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर इसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत आकांक्षी और उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में वितरित किया जा रहा है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा मध्यान्ह भोजन तथा पूरक पोषण आहार योजना के तहत दिसम्बर 2021 से प्रदेश के सभी जिलों में फोर्टिफाईड चावल का वितरण किया जा रहा है। साथ ही मई 2022 से प्रदेश के 10 आकांक्षी जिले कोरबा, राजनांदगांव, महासमुंद, कांकेर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, बस्तर, कोण्डागांव, सुकमा तथा 2 उच्च प्राथमिकता वाले जिले कबीरधाम और रायगढ़ सहित कुल 12 जिलों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशनकार्डधारी परिवारों को भी फोर्टिफाईड चावल दिया जा रहा है।

भेंट-मुलाकात अभियान

साढ़े तीन साल में कांकेर में विकास के दृष्टिकोण से आया बड़ा बदलाव

वनवासी वनों के संरक्षक, अधिकारी सुनिश्चित करें फारेस्ट के नियमों के दायरे में इन्हें मिले सभी सुविधाएं

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कांकेर में अधिकारियों को समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासकीय योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन होता है तो जनता शिकायत नहीं करेगी। बस्तर और सरगुजा में भेंट मुलाकात के दौरान नागरिक सेवाओं की आपूर्ति को लेकर बहुत कम शिकायतें आई। इससे पता चलता है कि प्रशासनिक तंत्र अच्छा काम कर रहा है। आप सभी से अपेक्षा है कि इसी तरह जनसेवा के दायित्व को पूरे मनोयोग से निभाते रहें। यह बात मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कांकेर में आयोजित समीक्षा बैठक में कही। उन्होंने कहा कि हमनें प्रशासनिक तंत्र में जनसेवा के संकल्प को लगातार मजबूत करने की दिशा में काम किया है इसके प्रभावी नतीजे सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनवासियों के लिए निरंतर बेहतर कार्य किये जाने की जरूरत है। इस दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया, संसदीय सचिव शिशुपाल सोरी, मुख्यमंत्री के सलाहकार राजेश तिवारी एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

वनवासी वनों के संरक्षक हैं। फारेस्ट नियमों के दायरे में जंगल में रहने वाले रहवासियों को हर तरह की सुविधा देना सुनिश्चित करें। यहां उनके लिए जंगल के संसाधनों को ही विकसित तथा प्रसंस्कृत कर आजीविकामूलक गतिविधियों के अवसर बढ़ाने की दिशा में काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि साढ़े तीन साल पहले और आज के कांकेर में बड़ा बदलाव महसूस किया जा सकता है। क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। शांति कायम हुई है। पर्यटन गतिविधियों का विस्तार हो रहा है। वनोपजों के प्रसंस्करण की दिशा में बड़ा काम हो रहा है।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांकेर को पूरे देश में अपने रैली ककून और मिलेट मिशन की वजह से पहचान मिलने लगी है। कोदो, कुटकी, रागी भी कांकेर की पहचान बन रही है। इनका वैल्यू एडीशन करना है और लोगों के लिए आर्थिक आय के बड़े अवसर उपलब्ध कराना है। अपने वनसंसाधनों से कांकेर की पहचान है। वनोपजों के प्रसंस्करण और क्रय को लेकर शासन की बेहतर नीति की वजह से संग्राहकों और व्यापारियों के लिए भरपूर संभावनाएं उभर कर आई हैं। इस दिशा में काम इसी तरह से निरंतर चलना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं स्कूलों में भी गया। पढ़ाई की अधोसंरचना मजबूत हुई है। अभिभावकों में अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए जागरूकता बढ़ी है। अधिकारियों से अपनी बात रखते हुए उन्होंने कहा कि मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की हुई है कि पूरे भेंट मुलाकात अभियान में मैंने संतुष्टि और मुस्कान से भरे चेहरे देखे, कहीं तनाव की कोई झलक नहीं। ऐसा ही छत्तीसगढ़ गढ़ने की दिशा में हम काम कर रहे हैं और आप निरंतर इस लक्ष्य को लेकर कार्य करते रहें।

कांकेर बस्तर का प्रवेश द्वार है। प्रवेश द्वार से ही पर्यटकों का आकर्षण बनें

मुख्यमंत्री ने पर्यटन सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में कार्य करने अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कांकेर बस्तर का प्रवेश द्वार है। प्रवेश द्वार से ही पर्यटकों का आकर्षण बनें, इसलिए पर्यटन अधोसंरचना को मजबूत करने कार्य करना है। उन्होंने कहा कि टाटामारी, लीमदरहा जैसे रिसार्ट मैंने देखें। बहुत अच्छा कार्य हो रहा है। इसी तरह के प्रयासों से बस्तर तेजी से पर्यटन हाटस्पाट के रूप में विकसित होगा।

जब तक बस्तर के लोग सहमत नहीं होंगे बोधघाट परियोजना प्रारंभ नहीं की जाएगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

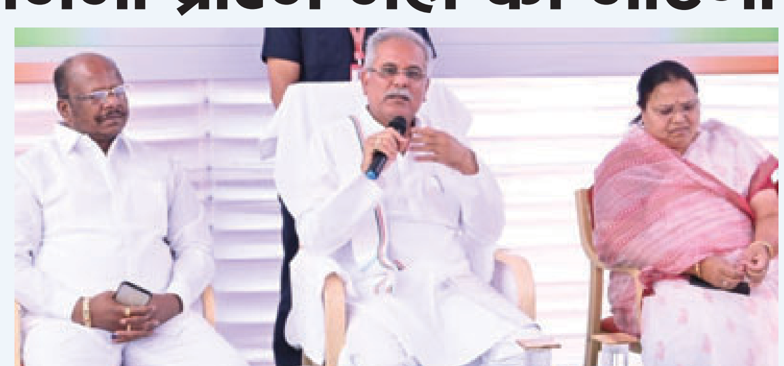

रायपुर। विकास कार्य जन सरोकारों से जुड़े होते हैं। बस्तर के लोग जब तक सहमत नहीं होंगे, बोधघाट परियोजना प्रारंभ नहीं की जाएगी। यह बात मुख्यमंत्री ने कांकेर में आयोजित प्रेसवार्ता में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में तेजी से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। साढ़े तीन सालों में बस्तर विकास के क्षेत्र में काफी आगे बढ़ा है। ग्रामीण विकास और खेती किसानी को लेकर शासन ने जो निर्णय लिये हैं उससे तेजी से लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। न्याय योजनाओं का पैसा ग्रामीणों के खाते में आ रहा है इसलिए हर भेंट मुलाकात में बैंक खोलने संबंधी मांग अधिक आ रही है। वाहनों की खरीदी बढ़ गई है ट्रैक्टर, कार, बाइक के नये शो रूम तेजी से खुल रहे हैं। वनोपज संग्रहण की नीति से भी सुखद बदलाव हुआ है। महुआ की खरीदी बढ़ी है। काजू से लेकर मिलेट्स और महुआ का मूल्य संवर्धन हो रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूलों के माध्यम से और स्वास्थ्य में हाट बाजार में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल पा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनहित के किसी भी कार्य में विलंब नहीं किये जाने को लेकर सख्त निर्देश दिये गये हैं। प्रशासनिक व्यवस्था पुख्ता तरीके से काम कर रही है। इसके चलते भेंट मुलाकात में किसी तरह की शिकायत सामने नहीं आ रही है और इसके चलते किसी अधिकारी-कर्मचारी पर कार्रवाई भी नहीं हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कहीं कहीं बंदोबस्त त्रुटि को लेकर दिक्कत आई है। इसके लिए हमने ड्रोन से सर्वे कर त्रुटि दुरूस्त करने के निर्देश दिये हैं। बस्तर में पर्यटन सुविधाओं का भी तेजी से विस्तार हो रहा है। हम हवाई सेवा का विस्तार कर रहे हैं। योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर हो रहा है। भेंट मुलाकात के दौरान जो खामी दिखी है उसे भी दुरूस्त करने के लिए कार्य किया जाएगा। इस दौरान अनेक विकास कार्यों की घोषणाएं की गई हैं। पंद्रह दिनों में इनके क्रियान्वयन के लिए निर्देश अधिकारियों को दिये गये हैं। इस दौरान विधानसभा उपाध्यक्ष मनोज मंडावी, महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया, संसदीय सचिव शिशुपाल सोरी, मुख्यमंत्री के सलाहकार राजेश तिवारी एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं द्वारा तैयार किये जा रहे मछली आहार निर्माण कार्य का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री ने इस कार्य के लिए समूह की महिलाओं की सराहना की और खूब तरक्की करने की दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गांधी ग्राम कुलगांव में पूजा स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किये जा रहे मछली आहार निर्माण कार्य का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने समूह की महिलाओं से बातचीत की और आहार निर्माण की विधि, उपलब्ध बाजार और प्राप्त आय की जानकारी ली। समूह की महिलाओं ने बताया कि अब तक 18 क्विंटल आहार का निर्माण कर विक्रय किया जा चुका है। आहार को स्थानीय कृषक एवं व्यवसायियों द्वारा क्रय किया जा रहा है। 1 दिन में 5-8 क्विंटल तक का क्विंटल आहार का निर्माण स्थापित संयंत्र द्वारा किया जाता है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समूह की महिलाओं से आहार निर्माण की विधि की जानकारी ली, महिलाओं ने बताया कि आहार निर्माण के लिए मक्का, कोरहा, सरसो खल्ली, सोयाबीन खल्ली, मछली का नचुरा एवं मछली के तेल मिलाकर मछली का आहार बनाया जाता है। मुख्यमंत्री ने समूह की महिलाओं की सराहना की और खूब तरक्की करने की बधाई दी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महिला स्व सहायता समूह द्वारा निर्माण किये गए 10 क्विंटल मछली आहार (फ्लोटिंग) वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री ने गांधीग्राम में मशरूम उत्पादन व लाख प्रसंस्करण प्रशिक्षण का किया अवलोकन

रायपुर। मुख्यमंत्री ने कांकेर जिले के ग्राम कुलगांव में गांधी ग्राम का लोकार्पण किया। गांधीग्राम में मुख्यमंत्री ने महिलाओं द्वारा मशरूम उत्पादन व लाख प्रसंस्करण प्रशिक्षण इकाई का अवलोकन किया। मशरूम उत्पादन इकाई में मुख्यमंत्री ने लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से उनकी आय और उत्पादन के सम्बंध में जानकारी ली। महिलाओं ने मुख्यमंत्री को बताया कि वो 200 रुपये प्रति किलो की दर से मशरूम बेच रही हैं और 3 महीने में 14 हजार की कमाई कर चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने महिलाओं को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि पहले यहां रायपुर से मशरूम के बीज आते थे, अब स्पॉन यूनिट में यहीं बीज तैयार हो रहे हैं। यहां ऑयस्टर मशरुम के साथ ही दूधिया मशरूम का भी उत्पादन किया जा रहा है। ऑयस्टर मशरूम उत्पादन के सीज़न के बाद महिलाएं बाकी महीनों में दूधिया मशरूम उत्पादन कर रही हैं। इससे उन्हें बारहों महीने रोजगार मिल रहा है। लक्ष्मी स्व सहायता समूह में 12 महिलाएं मशरूम उत्पादन का कार्य कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने लाख प्रसंस्करण प्रशिक्षण इकाई का भी अवलोकन किया। उन्होंने लाख प्रसंस्करण का प्रशिक्षण ले रही जय माँ दुर्गा स्व सहायता समूह की महिलाओं से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने प्रोसेसिंग के लिए क्रशर में रखे कच्चे लाख को देखा। उन्होंने प्रशिक्षण ले रही महिलाओं को बधाई दी। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लाख को मिला खेती का दर्जा दिया गया है। लाख प्रसंस्करण का प्रशिक्षण लेकर महिलाएं आर्थिक सशक्तिकरण की ओर अग्रसर होंगी। लाख प्रसंस्करण की ट्रेनिंग से महिलाएं कच्चे लाख से दाना लाख तैयार कर पाएंगी। इस प्रसंस्कृत लाख को सेल लाख उद्योग, बटन लाख उद्योग, पेंट और वार्निश निर्माण उद्योगों में बेचा जा सकेगा। लाख से रंग बिरंगी चूड़ियों का भी निर्माण किया जाता है।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट कैम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

• जीन्स
• टी-शर्ट
• शर्ट
• ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
	फुल	हाफ
वेज मोमोस	40/-	20/-
मनचुरियन मोमोस	50/-	30/-
पनीर मोमोस	60/-	30/-

मोमोस-10, 20 और 30 रु. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

हैप्पी बर्थडेः 17 साल में की पहली नौकरी, 135 से ज्यादा डेली सोप प्रोड्यूस करने वालीं एकता कपूर की नेटवर्थ है 95 करोड़

टेलीविजन क्वीन कही जाने वाली एकता कपूर आज 47 साल की हो चुकी हैं। एकता आज इंडस्ट्री की सबसे कामयाब फीमेल प्रोड्यूसर हैं, हालांकि इनका शुरुआती सफर मुश्किलों से भरा रहा था। हम पांच, क्योंकि सास भी कभी बहू थी, कसौटी जिंदगी की जैसे बेहतरीन डेली सोप बनाकर सालों से एकता देश का दिल जीतते आ रही हैं। आज करीब 39 फिल्में, 45 सीरीज और 135 डेली सोप प्रोड्यूस कर चुकीं एकता ने एक मामूली नौकरी से अपने करियर की शुरुआत की थी। पिता स्टार थे, लेकिन एकता ने पिता के स्टार पावर का इस्तेमाल किए बिना अपना करियर बुलंदियों तक पहुंचाया।

पिता की हीरोइन से चिढ़ती थीं एकता

7 जून 1975 में एकता कपूर का जन्म मुंबई, महाराष्ट्र में हुआ। पिता जितेंद्र अपने जमाने के मशहूर अभिनेता हुआ करते थे वहीं मां शोभा कपूर प्रोड्यूसर थीं। पिता के कारण एकता का बचपन फिल्म इंडस्ट्री के इर्द-गिर्द घूमा, लेकिन उन्हें फिल्मों के सेट पर जाने की इजाजत नहीं थी। एकता कपूर अपने पिता के लिए बेहद पजेसिव थीं। घरवालों को डर रहता था कि अगर एकता ने पिता जितेंद्र को दूसरी एक्ट्रेस के साथ रोमांस करते देखा तो कहीं वो उन पर हमला न कर दें।

पिता की डांट के बाद 17 साल में की पहली नौकरी

एक स्टारकिड होने के कारण एकता के लगभग सभी शौक पूरे किए जाते थे, लेकिन एक समय ऐसा भी आया जब पिता ने उन्हें पॉकेट मनी देने से इनकार कर दिया। वजह थी महज 17 साल की एकता का जरुरत से ज्यादा पार्टी करना। पिता ने उनसे साफ कहा- या तो तुम शादी कर लो, या काम करो जैसा मैं चाहता हूं, न की पार्टी।

पिता की मदद से बन गईं प्रोड्यूसर

पिता की इस बात का एकता पर ऐसा गहरा असर पड़ा कि उन्होंने एड फिल्ममेकर कैलाश सुरेंद्रनाथ के साथ इंटर्नशिप शुरू कर दी। इंटर्नशिप पूरी हुई तो एकता उसी एड कंपनी में नौकरी करने लगीं। एकता की लगन देखकर पिता ने उन्हें अपना काम शुरू करने के लिए फाइनेंशियल सपोर्ट दिया। पैसे मिलने के बाद एकता ने बतौर प्रोड्यूसर बालाजी टेलीफिल्म्स में काम करने लगीं।

पहला शो हुआ था फेल तो डूब गए थे 50 लाख रुपए

एकता कपूर ने चंद शो बनाए और उनके कुछ एपिसोड चैनल को दिखाए। सभी चैनलों ने

उनके शो को रिजेक्ट कर दिया, जिससे उनके पूरे 50 लाख रुपए डूब गए। 1995 में एकता कपूर के बनाए शो मानो या ना मानो को जीटीवी चैनल में जगह मिल गई। वहीं इनके म्यूजिकल शो धुन-धमाका को दूरदर्शन में प्रसारित किया गया। इसी साल एकता ने हम पांच शो बनाया जो उनका पहला हिट शो रहा।

'के' की दीवानी एकता, टाइटल के साथ बनाए करीब 63 शो

एकता कपूर ने सबसे पहले साल 1999 में कन्यादान शो बनाया था। इसके बाद से ही एकता ने के लेटर से शुरू होने वाले सीरियल बनाने शुरू कर दिए। इसका कारण था एकता का ज्योतिष पर विश्वास। एकता ने अपने 27 सालों के करियर में करीब 63 ऐसे शो बनाए हैं जिनका टाइटल 'के' से शुरू होता है। इनमें क्योंकि सास भी कभी बहू थी, कसौटी जिंदगी की, कहानी घर-घर की, कभी सौतन कभी सहेली, कोई अपना सा, कहीं किसी रोज, कुटुंब, कुसुम, कितनी मोहब्बत है, काव्यांजलि, कयामत सबसे पॉपुलर रहे थे।

39 फिल्में प्रोड्यूस कर चुकी हैं एकता कपूर

साल 2001 की फिल्म क्योंकि..मैं झूठ नहीं बोलता से एकता कपूर के प्रोडक्शन हाउस ने फिल्में प्रोड्यूस करना शुरू किया। तब से लेकर आज तक एकता ने कृष्णा कॉटेज, लव सेक्स और धोखा, वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई, द डर्टी पिक्चर, रागिनी एमएमएस, हाफ गर्लफ्रेंड, एक विलेन, ड्रीम गर्ल जैसी करीब 39 फिल्में प्रोड्यूस की हैं।

95 करोड़ की संपत्ति की मालकिन

एकता कपूर के प्रोडक्शन हाउस बालाजी प्रोडक्शन की वैल्यू करीब 400 करोड़ रुपए है। वहीं एकता की नेटवर्थ 95 करोड़ रुपए है। एकता ने साल 2012 में मुंबई में घर खरीदा था जिसकी कीमत करीब 7 करोड़ रुपए है। घरों के अलावा एकता की देशभर में कई रियल एस्टेट प्रॉपर्टी हैं। एकता की पर्सनल इन्वेस्टमेंट 45 करोड़ रुपए है। इन्होंने 2012 में बालाजी टेलीफिल्म्स बैनर तले एक इंस्टीट्यूट भी शुरू किया है। 2017 में एकता ने ओटीटी प्लेटफॉर्म अल्ट बालाजी लॉन्च किया जो भारतीय टीवी शो स्ट्रीम करने वाला पहला डिजिटल ऐप था।

कार कलेक्शन में लग्जरी गाड़ियां

एकता कपूर के कार कलेक्शन में फोर्ड, मर्सडीज बेन्ज, ऑडी और बीएमडब्ल्यू जैसी लग्जरी गाड़ियां है जिनकी कुल कीमत करीब 4-5 करोड़ है।

बचपन में था शादी का शौक आज 47 साल में सिंगल मदर

एकता कपूर को बचपन से ही शादी करने का बहुत क्रैज था, लेकिन इंडस्ट्री से जुड़ने के बाद उनका शादी से विश्वास उठ गया। एकता कपूर कभी शादी नहीं करना चाहती थीं, लेकिन उन्हें मां बनना था। 36 साल की उम्र में एकता ने अपने एग फ्रीज करवा लिए। 44 साल की उम्र में सरोगेसी के जरिए 2019 को एकता कपूर का एक बेटा हुआ जिसका नाम उन्होंने रवि कपूर रखा है।

ब्रह्मास्त्रः फिल्म के जरिए खुद का मार्वल बनाने की कोशिशः रणबीर कपूर

एक्टर रणबीर कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। अब हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में रणबीर ने कहा कि 'ब्रह्मास्त्र' के जरिए खुद का मार्वल बनाने की कोशिश की है। अयान मुखर्जी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को 9 सितंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

रणबीर कपूर ने कहा, यह भारतीय संस्कृति में गहराई से निहित है और हमारे पास अपना खुद का मार्वल बनाने का अवसर था। जिसे अयान अपने एस्ट्रावर्स के साथ पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं। आपकी संस्कृति में बनी कोई भी फिल्म, कोई भी अच्छी सम्मोहक कहानी, प्रामाणिक तरीके से, सच्चे रूप में होगी तो बड़े दर्शकों से जुड़ेगी। रणबीर कपूर ने आगे कहा कहा, इस फिल्म को प्ले करने के लिए थोड़ा लक चाहिए। जैसे आपको किस तरह की रिलीज मिलती है, आपको किस तरह का एक्सपोजर मिलता है। हमारे पास डिज्नी है और इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। इसलिए, मेरा मानना है कि ब्रह्मास्त्र एक बहुत बड़े प्लेटफॉर्म पर आ रही है और इसके जरिए दुनियाभर के दर्शक इसे देख सकते हैं।

एक दूसरे इंटरव्यू में रणबीर ने कहा था, यह एक मार्वल फिल्म की तरह नहीं है। अपने जॉनर में यह बहुत ही ओरिजिनल है। हम ब्रह्मास्त्र की तुलना दुनिया भर में बनने वाली किसी भी फिल्म से नहीं कर सकते। मुझे फिल्में देखना बहुत पसंद है। मैंने कई फिल्में देखीं हैं। लेकिन, इस फिल्म का कोई तोड़ नहीं है।

पहली बार स्क्रीन पर साथ नजर आएंगे रणबीर-आलिया

माइथोलॉजी-बेस्ड इस फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म में पहली बार रणबीर कपूर और उनकी पत्नी एक्ट्रेस आलिया भट्ट स्क्रीन पर एक साथ नजर आएंगे। फिल्म में रणबीर 'शिव' और आलिया 'ईशा' के रोल में दिखाई देंगी। इस फिल्म में रणबीर-आलिया के अलावा अमिताभ बच्चन, नागार्जुन और मौनी रॉय भी लीड रोल में हैं। इस फिल्म को स्टार स्टूडियोज, धर्मा प्रोडक्शंस, प्राइम फोकस और स्टारलाईट पिक्चर्स ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

'विक्रम' ने पार किया 100 करोड़ का आंकड़ा, 'सम्राट पृथ्वीराज' को टक्कर दे रही आदिवि शेष की 'मेजर'

थियेटर में रिलीज हुई फिल्म सम्राट पृथ्वीराज से मेकर्स को काफी उम्मीदें थीं कि ये फिल्म जोरदार कमाई करेगी। लेकिन ओपनिंग डे पर ही ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। पहले दिन ये फिल्म अक्षय कुमार की 'बच्चन पांडे' जितनी कमाई भी नहीं कर पाई। इस फिल्म को हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगू में भी रिलीज किया गया था, बावजूद इसके फिल्म औसत प्रदर्शन ही कर रही है। वहीं कमल हासन की विक्रम कारोबार के मामले में बढ़िया है। आदिवि शेष की मेजर भी औसत कलेक्शन कर रही है। तो चलिए आज आपको अपनी इस रिपोर्ट में बताते हैं कि इस सोमवार कौन सी फिल्म ने कितना कारोबार किया है।

विक्रम

पिछले तीन दिनों से विक्रम कमाई के मामले में बढ़िया जा रही थी। पिछले दिनों में इस फिल्म ने 94.65 करोड़ का आंकड़ा छू लिया था। वहीं चौथे दिन के कारोबार की बात करें तो सोमवार का दिन विक्रम के लिए कुछ खास अच्छा नहीं गया है। रविवार के मुकाबले इस फिल्म ने कम कमाई की है। चौथे दिन इस फिल्म ने 14.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। कुल कलेक्शन की बात करें तो घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म का कुल कलेक्शन 109.15 करोड़ रुपये हो चुका है।

सम्राट पृथ्वीराज

अक्षय कुमार की फिल्म सम्राट पृथ्वीराज पहले दिन से दर्शकों को खास पसंद नहीं आ रही है। पिछले तीन दिनों में इस फिल्म ने 39.40 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। वहीं सोमवार को इस फिल्म की रफ्तार और धीमी हो गई। शुरुआती आंकड़ों के हिसाब से रविवार के मुकाबले सोमवार को सम्राट पृथ्वीराज सभी भाषाओं में मात्र 4.60 करोड़ रुपये का ही कारोबार किया है।

मेजर

आदिवि शेष की फिल्म मेजर बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया प्रदर्शन कर रही है। मेजर संदीप उन्नीकृष्णन के जीवन पर आधारित इस फिल्म में आदिवि शेष मुख्य किरदार के रूप में हैं। इस फिल्म के कारोबार की बात करें तो ओपनिंग डे के तीन दिनों के अंदर इस फिल्म ने 21.95 करोड़ की कमाई की है। चौथे दिन इस फिल्म ने सभी भाषाओं में 3 करोड़ रुपये कारोबार किया है।

भूल भुलैया 2

कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया को रिलीज हुए दो हफ्ते का समय बीत चुका है। पिछले 17 दिनों से ये फिल्म अपना जादू दिखाने में कामयाब रही है। पिछले 17 दिनों में इस फिल्म ने कुल 154.82 करोड़ रुपये की कमाई कर के 150 करोड़ का आंकड़ा पार कर दिया है। शुरुआती आंकड़ों के हिसाब से 18वें दिन इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 2 करोड़ रुपये की ही कमाई की है।

ऑक्सीजन की जंग में अपने बीमार बेटे के लिए लड़ती दिखीं नयनतारा

साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री इस समय अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'O2' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। फिल्म रिलीज के लिए बिल्कुल तैयार है, जिसमें वह एक दमदार भूमिका में नजर आने वाली हैं। पिछले दिनों रिलीज हुई फिल्म 'काथुवाकुला रेंदु काधल' की सफलता के बाद अब हाल ही में नयनतारा की आगामी फिल्म 'O2' का ट्रेलर रिलीज किया गया है। ट्रेलर में वह एक मां के रूप में दिख रही हैं, जो अपने बच्चे को बचाने के लिए किसी भी हद से गुजर सकती है। इसके लिए उनके किरदार को बहुत सारी मुश्किलों का समाना करना पड़ता है, क्योंकि उसका बेटा बीमार होता है। जीएस विकनेश के निर्देशन में बनी यह फिल्म 17 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म 'डिज्नी+हॉटस्टार' पर रिलीज होने वाली है।

सस्पेंस से भरी है कहानी

नयनतारा स्टारर यह सस्पेंस थ्रिलर फिल्म जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। इसके लिए लोगों के मन में उत्सुकता बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने हाल ही में इस थ्रिलर का मनोरंजक ट्रेलर रिलीज कर दिया है। वीडियो की शुरुआत नयनतारा को एक प्यारी मां वीरा के रूप में पेश करने से होती है। उसका बेटा एक ऐसी बीमारी से पीड़ित है,

जिससे उसके लिए नैचुरली सांस लेना मुश्किल हो जाता है। उसको ऑक्सीजन सिलेंडर की जरूरत पड़ती है। इस दुख भरी कहानी में अचानक से एक ट्विस्ट तब आता है, जब मां और बेटा बस से कोच्चि के लिए निकलते हैं। उनका यह सफर कहानी को और पीड़ादायक बना देता है। वह बस से सफर कर रहे होते हैं और रास्ते में कुछ ऐसा होता है, जिससे सड़क में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ जाती हैं। इन दरारों में बस गिर जाती है। बस के गिरते ही शोर मचने लगता है। सभी यात्री एक मुश्किल स्थिति में फंस गए हैं, जिसकी वजह से उन्हें ऑक्सीजन के लिए एक-दूसरे से लड़ना पड़ता है। वह इस खतरनाक स्थिति से कैसे बाहर निकलेंगे और नयनतारा अपने बेटे को सभी को बचाने के लिए क्या करती हैं, यही फिल्म की कहानी है।

इस हॉलीवुड फिल्म से ली गई है कहानी

फिल्म का निर्देशन जीएस विकनेश ने किया है और यह उनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म होगी। इस फिल्म की कहानी साल 2021 में आई फ्रेंच साइंस- फिक्शन थ्रिलर 'ऑक्सीजन' से प्रेरित है। 'O2' की शूटिंग पिछले साल खत्म हो गई थी और अभी यह फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन में है। फिल्म का निर्माण एसआर प्रभु और एसआर प्रकाश बाबू द्वारा किया गया है।

जल्द शादी करेंगी नयनतारा

नयनतारा आगामी 9 जून को अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड विग्नेश शिवन से शादी करने दा रही हैं। शादी के बाद नयनतारा के पास कई और फिल्में हैं, जिनमें मोहन राजा की आगामी थ्रिलर फिल्म 'गॉडफादर' भी शामिल है। फिल्म में नयनतारा के साथ मेगास्टार चिरंजीवी दिखाई देंगे, जो कोनिडेला प्रोडक्शन कंपनी और सुपर गुड फिल्म्स द्वारा निर्मित की जा रही है। चिरंजीवी और नयनतारा के अलावा, फिल्म में सत्यदेव कंचरण भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। 'गॉडफादर' मोहनलाल की साल 2019 में आई फिल्म 'लूसिफर' की रीमेक है।

खतरों के खिलाड़ी 12' की शूटिंग शुरू, रोहित शेट्टी ने की सूर्यवंशी स्टाइल में एंट्री

रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रिएलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 12 का आगाज हो चुका है। केपटाउन में सभी कंटेस्टेंट्स पहुंच चुके हैं और एक-एक करके सोशल मीडिया पर हलचल मचा रहे हैं। इस बीच शो के होस्ट रोहित शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें वो सूर्यवंशी स्टाइल में एंट्री करते नजर आ रहे हैं। इस बार शो में टीवी इंडस्ट्री की कई जानी-मानी हसीनाएं भी नजर आने वाली हैं। शूटिंग के बीच एक्ट्रेस रुबीना दिलैक,जन्नत ज़ुबैर ने इंस्टाग्राम पर धमाकेदार वीडियो शेयर किए हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

टीम कैट ने पुजारी पार्क पचपेड़ी नाका के व्यापारियों को उधम आधार पंजीकरण से व्यापारियों को होनें वाले लाभों की जानकारी दी

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मीड़िया प्रभारी संजय चौंबे ने बताया कि टीम कैट ने पुजारी पार्क पचपेड़ी नाका के व्यापारियों को उधम आधार पंजीकरण से व्यापारियों को होने वाले लाभों की जानकारी दी । कैट सी.जी. चैप्टर के प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी एवं प्रदेश महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह ने बताया कि टीम कैट ने पुजारी पार्क पचपेड़ी नाका के व्यापारियों को उधम आधार पंजीकरण से व्यापारियों को होने वाले लाभों की जानकारी दी । दोनों व्यापारी नेताओ ने कहा उद्यम आधार पंजीयन से व्यापारी एमएसएमई श्रेणी के अंतर्गत आएंगे और प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के आधार पर दिए जाने वाले ऋण को बैंकों और वित्तीय संस्थानों से आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। आज देश के व्यापारिक समुदाय जो लगभग 40 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान कर रहा है और लगभग 115 लाख करोड़ का सालाना कारोबार कर रहा है।

योजनाओं का हो बेहतर ढंग से क्रियान्वयन- कलेक्टर

गरियाबंद। जिले के नवपदस्थ कलेक्टर प्रभात मलिक ने अधिकारियों की आज परिचायत्मक बैठक में विभागों के माध्यम से संचालित शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं के अद्यतन स्थिति की संक्षिप्त समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिले में शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर ढंग से हो, यह सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विभागों को प्राप्त ओवदनों का निराकरण समयावधि के भीतर हो। अधिकारी प्रकरण लंबित न रखे। कलेक्टर ने जिले में मनरेगा के तहत निर्माण कार्य, गौठान एवं चारागाह निर्माण, वन विभाग में स्वीकृत आवर्ती चराई, गोधन न्याय योजना के तहत गोबर खरीदी, वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट, राजस्व प्रकरण,वन अधिकार पट्टा वितरण, किसान क्रेडिट कार्ड के अद्यतन स्थिति की विभागीय अधिकारियों से जानकारी ली।

लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच वैमनस्य नहीं होना चाहिएः राष्ट्रपति

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली(पीआईबी)। राष्ट्रपति, राम नाथ कोविंद ने सोमवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश विधानमंडल के दोनों सदनों के विशेष सत्र को संबोधित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में, राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सबसे बड़े राज्य के विधानमंडल के सदस्यों को संबोधित करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है। कोविंद ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और भौगोलिक विविधता इसके लोकतंत्र को और भी समृद्ध बनाती है। राष्ट्रपति ने कहा कि इस राज्य की 20 करोड़ से अधिक की आबादी, अनेकता में एकता का बहुत अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करती है। राष्ट्रपति ने कहा कि डॉक्टर बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर कहा करते थे कि हमने भारतीय लोकतंत्र के बीज पश्चिमी देशों से प्राप्त नहीं किए हैं, बल्कि यह भगवान बुद्ध के समय में गठित संघों के कामकाज में दिखाई देता है। कोविंद ने कहा कि प्राचीन काल में भी कौशाम्बी और श्रावस्ती में ऐसी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के उदाहरण थे, जिनकी चर्चा डॉक्टर अम्बेडकर ने संविधान सभा में अपने भाषण में की थी। राष्ट्रपति ने कहा कि सदन में मौजूद जनप्रतिनिधि उस प्राचीन लोकतांत्रिक विरासत के वारिस हैं। उन्होंने कहा कि यह उन सभी के लिए गर्व की बात है लेकिन साथ ही उन पर भगवान बुद्ध और डॉक्टर अम्बेडकर के आदर्शों को आगे बढ़ाने का दायित्व भी है।

राष्ट्रपति ने कहा कि वर्तमान विधानमंडल में समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व बहुत व्यापक हो गया है जो सामाजिक समावेश की दृष्टि से एक अच्छी उपलब्धि है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश की विधान सभा में महिला सदस्यों की संख्या 47 है, जो कुल 403 सदस्यों का लगभग 12 प्रतिशत है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश विधान परिषद के वर्तमान 91 सदस्यों में से महिलाओं की संख्या केवल पांच है, जो आज की स्थिति में लगभग 5.5 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। कोविंद ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने स्वतंत्र भारत में पहली महिला मुख्यमंत्री के चुनाव के साथ इतिहास रच दिया था। उस ऐतिहासिक घटना को महिला सशक्तिकरण के आरंभिक उदाहरण के रूप में देखा जाना चाहिए और उत्तर प्रदेश को महिला सशक्तिकरण में अग्रणी राज्य बनना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में खाद्यान्न उत्पादन में उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान है। इसी तरह, यह आम, आलू, गन्ना और दूध के उत्पादन में देश में पहले स्थान पर है। कोविंद ने कहा कि हाल के वर्षों में, राज्य में सड़क, रेल और हवाई संपर्क में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उत्तर प्रदेश के प्रतिभाशाली युवा दूसरे राज्यों और विदेशों में आर्थिक प्रगति के मानदंड स्थापित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य में पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी और शहरी विकास की अपार संभावनाएं हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तर प्रदेश में उपजाऊ भूमि और कृषि के लिए अनुकूल प्राकृतिक परिस्थितियों को देखते हुए, कृषि में उत्पादन के साथ-साथ उत्पादकता और कृषि आधारित उद्यमों पर अधिक ध्यान केंद्रित करके राज्य की आर्थिक स्थिति में बड़े बदलाव किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में लागू नीतियों से बन रहे कीर्तिमान

सहकारी शक्कर कारखाना पंडरिया और राम्हेपुर ने रिकवरी दर में राष्ट्रीय स्तर पर रचा नया कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में संचालित दो सहकारी शक्कर कारखानों ने रिकवरी दर में राष्ट्रीय स्तर पर नया कीर्तिमान रचा है। कीर्तिमान रचने वाले कारखानों में लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित पंडरिया और भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना राम्हेपुर कवर्धा शामिल हैं। यह दोनों ही सहकारी शक्कर कारखाने छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में स्थापित हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा विकास और समृद्धि के लिए अनेक नीतियां लागू की जा रही हैं, जिससे राज्य लगातार नए कीर्तिमान बना रहा है।

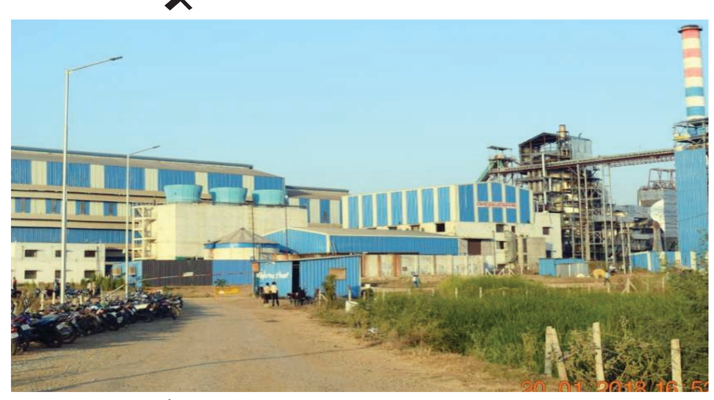

इन दोनों ही कारखानों ने देश के सभी सहकारी शक्कर कारखानों को रिकवरी के मामले में पीछे छोड़ दिया है। रिकवरी दर अधिक होने से जिले के 18 हजार 497 किसानों को 53.83 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि प्राप्त होगी। इससे वित्तीय वर्ष में किसानों को 280.7 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा।

लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित पंडरियापेराई सत्र 2021-22 में 13.12 प्रतिशत रिकवरी के साथ पूरे देश में पहले नंबर पर रहकर उपलब्धि हासिल की है। इससे यहां के 7 हजार 279 किसानों को 104.40रुपये प्रति क्विंटल का लाभ प्राप्त होगा। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत प्रति क्विंटल 79रुपये किसानों को भुगतान किया जाएगा। इस प्रकार वित्तीय वर्ष में 459रुपये प्रति क्विंटल किसानों को भुगतान किया जाएगा। इस प्रकार वर्ष 2021-22के लिए7 हजार 279 किसानों को 135.5 करोड़ रूपए की राशि भुगतान की जाएगी। बीते वित्तीय वर्ष में किसानों से 29 लाख 5 हजार 338 मीट्रिक टन गन्ने की खरीदी की गई।

इसी तरह भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना राम्हेपुर कवर्धापेराई सत्र 2021-22 में सर्वाधिक 11.8 प्रतिशत रिकवरी के साथ पूरे देश में दूसरे नंबर पर रहा है। इस उपलब्धि से यहां के 11 हजार 218 किसानों को 66.70रुपये प्रति क्विंटल का अतिरिक्त लाभ प्राप्त होगा। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत प्रति क्विंटल 79रुपये किसानों को भुगतान किया जाएगा। इस प्रकार वित्तीय वर्ष में 421रुपये प्रति क्विंटल किसानों को भुगतान किया जाएगा। इस प्रकार वर्ष 2021-22 में 11 हजार 218 किसानों को 145.2 करोड़ रूपए की राशि भुगतान की जाएगी। वित्तीय वर्ष में किसानों से 34 लाख 5 हजार 3मीट्रिक टन गन्ने की खरीदी की गई है।

जिला कलेक्टर एवं अध्यक्ष शक्कर कारखाना श्री रमेश कुमार शर्मा ने बताया कि लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित पंडरिया वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक रिकवरी दे रहा है, जो छत्तीसगढ़ के इतिहास में रिकॉर्ड है।

इससे यहां के गन्ना किसानों को पूरे देश में सर्वाधिक दर प्राप्त हुआ है। वहीं भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना राम्हेपुर कवर्धा विगत 19 वर्षों में इस वर्ष सर्वाधिक 11.8 प्रतिशत रिकवरी प्राप्त करने में सफ्ल रहा है, जो देश में दूसरे नंबर पर है। उन्होंने बताया कि लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित पंडरिया और भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना राम्हेपुर कवर्धा से जुड़े18 हजार 497 किसानों को इस वर्ष 280.7 करोड़ रुपये भुगतान किया जाएगा। इन किसानों को रिकवरी दर पर 53.83 करोड़ रुपयेका अतिरिक्त राशि प्राप्त होगा। साथ ही किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत 50.58 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा।

लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना मार्यादित पंडरिया के प्रबंध संचालक श्री सतीश कुमार पाटले ने बताया कि पेराई सत्र 2021-22 में 13.12 प्रतिशत रिकवरी आयी है जो 9.50 प्रतिशत से 36 पाइन्ट अधिक है।

राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यों में तेजी लाएं : मुख्य सचिव

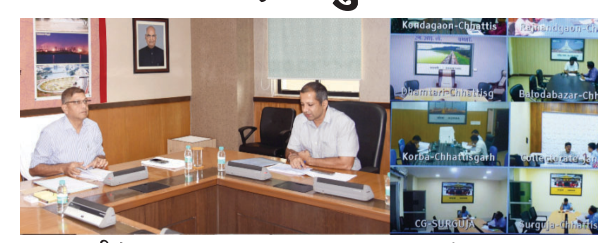

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यों की हाई पॉवर कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों के विभिन्न कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने राष्ट्रीय राजमार्गों के चौड़ीकरण, उन्नयन, वृक्ष कटाई, वन भूमि के व्यपवर्तन, भू-अर्जन, मुआवजा, लाईन शिफ्टिंग कार्य, भूमि नामांतरण सहित राष्ट्रीय राजमार्गो के कार्यों को कराने के लिए सभी आवश्यक कार्यवाही शीघ्र कराने के निर्देश संबंधित जिलों के कलेक्टरों को दिए।

हाई पॉवर कमेटी की बैठक में बिलासपुर जिले के अंतर्गत बिलासपुर से उरगा मार्ग, बिलासपुर से पथरापाली मार्ग, कबीर चबूतरा केंवची-केंदा-रतनपुर मार्ग, कोरबा जिले के अंतर्गत पथरापाली-कटघोरा मार्ग, जशपुर जिले के पत्थलगांव कुनकुरी मार्ग, राजनांदगांव जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्य, दुर्ग-रायपुर बॉयपास भारतमाला परियोजना, रायपुर जिले के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में ई.पी.सी. टाटीबंध चौक के विस्तारीकरण कार्य और रायपुर विशाखापट्नम भारतमाला परियोजना के कार्यों की समीक्षा की गई।

बलौदाबाजार जिले के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग के सिमगा से सरगांव के चौड़ीकरण, बालोद-झलमला से शेरपार चौड़ीकरण, बीजापुर जिले के अंतर्गत बरदेला नाला, जांगला नाला, मरी नदी पर पुल निर्माण कार्य, बस्तर जिले के अंतर्गत जगदलपुर-सुकमा-कोन्टा मार्ग पर चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य सहित सरगुजा जिले के अंतर्गत अम्बिकापुर से पत्थलगांव मार्ग सहित अन्य राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने संबंधित जिलों के कलेक्टरों और राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यों को कराने के लिए सभी जरूरी कार्यवाही शीघ्र करने एवं कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। बैठक में लोक निर्माण विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, सचिव राजस्व एन.एन.एक्का सहित वन विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं लोक निर्माण के अधिकारी शामिल हुए।

कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं

बालोद। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में पहुंचे आमजनों की एक-एक कर समस्याएं सुनी। उन्होंने उनके आवेदनों पर संवेदनशीलतापूर्वक विचार कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारी को दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ.रेणुका वास्तव, एस.डी.एम. गुण्डरदेही श्रीमती प्रेमलता चंदेल, एस.डी.एम. डौण्डीलोहारा मनोज कुमार मरकाम, एस.डी.एम. गुरूर श्रीमती रश्मि वर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

इस गौठान में 15 स्व-सहायता समूह में काम का कर रही हैं 150 महिलाएं

सरकार की योजनाओं से महिलाओं को मिल रहा है स्वरोजगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। जिला मुख्यालय से 08 किलोमीटर दूर ग्राम भैरमबंद ग्राम पंचायत बालपेट का आश्रित गांव है। बालपेट के आश्रित गांव भैरमबंद में राज्य की भूपेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सुराजी(नरवा-गरवा, घुरवा-बारी) योजना के तहत बना आदर्श गौठान, आज सिर्फ गायों को रखने का ही स्थान नहीं रहा, बल्कि गौठानों को आजीविका केंद्र के रूप में बदल दिया है।

इससे कहीं ज्यादा गौठानों को औद्योगिक पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है। जिसके तहत जिले के अंदरुनी इलाकों तक सरकार की पहुंच के दावे के साथ स्थानीय आदिवासी महिलाओं तक स्वरोजगार पहुंचाया जा रहा है। दरअसल भूपेश सरकार ने बीते साढ़े तीन साल में ग्रामीणों को स्वालंबी बनाने और विशेषकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा काम किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भैरमबंद के इस गौठान में 15 स्व-सहायता समूह में करीब 150 महिलाएं काम का कर रही हैं। अलग-अलग समूहों को अलग-अलग काम दिया गया गया है। वर्मी खाद निर्माण के साथ सब्जी, मशरूम उत्पादन, मुर्गी, बकरी पालन, वनोपज संग्रहण, फिनाइल निर्माण, एक्यूरियम निर्माण, मछली पालन आदि कार्यों के साथ महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराया गया है। गौठान में कार्यरत् दुर्गा महिला ग्राम संगठन की महिलाएं खाद निर्माण के साथ ही सब्जी की खेती भी करती हैं। सब्जी और हल्दी की खेती से महिलाएं आज आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। इसी तरह गौठान में एक समूह के पास एक्यूरियम निर्माण का काम है। एक्यूरियम निर्माण से अब तक महिलाएं डेढ़ लाख रुपये की आय प्राप्त कर चुकी हैं। गौठान में ही 10 एकड़ का विशाल तालाब बनाया गया है, इस तालाब में मछली पालन का काम किया जा रहा है, यह काम भी महिला समूह के पास है। समूह की महिलाओं को मछली पालन के लिए मत्स्य विभाग की ओर से प्रशिक्षण और सहयोग दिया है, मछुआ समिति का गठन भी किया गया है। समूह की महिलाओं ने एक साल में मछली पालन से 03 लाख रुपये की कमाई की है। इसी तरह से दुर्गा महिला ग्राम संगठन की महिलाओं की ओर से ही मुर्गी पालन का काम किया जा रहा है. मुर्गी पालन के साथ बकरी पालन भी महिलाएं कर रही हैं। वहीं दुर्गा महिला संगठन में एक समूह के पास मशरूम उत्पादन का काम है। इस काम से महिलाएं बेहद उत्साहित हैं।

गौठान में ही एक महिला समूह की ओर से फिनाइल निर्माण का कार्य किया जा रहा है। गौठान में निर्मित फिनाइल को शासकीय कार्यालयों में भेजा जाता है। इसके साथ ही बाजार में भी समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को बेचा जा रहा है। अब तक समूह की महिलाओं को इससे 60 हजार रुपये की आय प्राप्त हो चुकी है। गौठान में एक महिला समूह की ओर से वर्मी खाद का निर्माण किया जा रहा है, अब तक इस केंद्र में कुल 06,33,863 किग्रा. गोबर खरीदी किया गया है, जिसकी राशि 12,67,726 रूपये गोबर विक्रेता हितग्राहियों को प्रदान किया जा चुका है। गौठान में प्राप्त गोबर से केंचुआ खाद 1,21,505 किग्रा. को 12,10,030 रूपये व सुपर कम्पोस्ट मात्रा 20,000 किग्रा. राशि 1,20,000 रूपये में बेचा गया है।

दंतेवाड़ा की पहचान देश ही नहीं, बल्कि पूरे एशिया में आम-इमली के उत्पादन के लिए भी है। दंतेवाड़ा की इमली की मांग विश्व बाजार में है, सरकार ने इमली उत्पादन के कारोबार को बढ़ावा देने के लिए कई कारगर कदम उठाएं हैं।

नाम परिवर्तन

मैं मुहम्मद साहिल हमसा उम्र 19 वर्ष पिता श्री हमसा अब्दुल्ला खान निवासी-ए 6, सुर्या रेसीडेंसी जुनवानी रोड, कोहका, भिलाई तह. व जिला दुर्ग छ.ग. का हूं जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक प्रस्तुत करता हूं:

मेरे पासपोर्ट क्र. L6343347 में मेरा नाम MOHAMMED SAHIL HAMSA दर्ज है। मेरे समस्त स्कुली दस्तावेजों, आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम MUHAMMED SAHIL HAMSA दर्ज है, जो कि सही व सत्य है। MOHAMMED SAHIL HAMSA एवं MUHAMMED SAHIL HAMSA दोनों नाम मेरे ही अर्थात् एक ही व्यक्ति के है। मेरे द्वारा दी गई उक्त जानकारी सही एंव सत्य है असत्य पाये जाने पर संपूर्ण जवाबदारी मेरी होगी। मैं शपथ पत्र सक्षम प्राधिकारी के समक्ष MOHAMMED SAHIL HAMSA एवं MUHAMMED SAHIL HAMSA दोनों नाम मेरे ही अर्थात एक ही व्यक्ति के होने के समर्थन में प्रस्तुत करता हूं।

शपथकर्ता
मुहम्मद साहिल हमसा

अरिहंत इंटेरियर्स
वॉलपेपर, वुडन फ्लोरिंग, पीवीसी फ्लोरिंग
विंडोव ब्लाइंड्स, एक्रीलिक रेलिंग, आर्टिफिसियल ग्रास, पीवीसी पैनल, ग्लास फिल्म
शॉप नं.-23, नेहरू रोड, सुपेला, भिलाई, 9584400900

YOGESH COMPUTER Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware, CCTV Camera, Networking, Software
Yogesh Sirame Mo-9893342971, 7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : siramyogesh@gmail.com

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing, Printer, Desktop
7/2, Dakshin Gangotri, Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
Gym Servicing
Gym Equipment & Accessories Available
Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

SAIRAM Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI, Oppo, Vivo, Nokia, HTC, Blue tooth Charger, Power Bank, Ear Phone, BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किड्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

महिला ने बैंक कर्मी को कार से कुचला, टहलने निकला था युवक गार्ड ने भागकर बचाई जान

रायपुर (ए)। रायपुर में एक महिला ने सड़क पर टहल रहे युवक को कार से कुचल दिया। तेज रफ्तार कार महिला से संभल न सकी और ये हादसा हुआ। इस हादसे में युवक की मौत हो गई है। यह घटना शहर के कबीर नगर इलाके की है।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक में काम करने वाले मृणाल परगनहिया रात के वक्त घर के बाहर टहल रहे थे। इतने में चित्रकूट परिसर में रहने वाली महिला वंदना उपवंशी अपनी कार लेकर कॉलोनी से बाहर निकली। सड़क के मोड़ पर वंदना ने तेज रफ्तार कार मृणाल पर चढ़ा दी। पास बैठे सिक्योरिटी गार्ड ने भागकर अपनी जान बचाई, मगर मृणाल को मौका नहीं मिला। कार बैंककर्मी पर चढ़ गई उसे कुचलते हुए आगे बढ़ गई। बुरी तरह से जख्मी मृणाल की मौके पर ही मौत हो गई। वो 4 महीने पहले ही कांकेर से ट्रांसफर होकर रायपुर आए थे। यहां अपने परिवार के साथ रहते थे परिवार में उनकी पत्नी और दो छोटे बच्चे हैं।

अब इस घटना के बाद महिला फरार बताई जा रही है। कबीर नगर थाने की पुलिस ने इस मामले में महिला के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। महिला की तलाश की जा रही है।

बिलासपुर में छत के रास्ते घर में घुसा चोर, मालिक के जागने पर भागा

बिलासपुर (ए)। कोटा क्षेत्र के नेवरा में चोर छत के रास्ते किराना दुकान संचालक के घर में घुस गया। आलमारी को खोलते समय हुए आवाज से मकान मालिक की नींद खुल गई। उनके जागते ही चोर छत के रास्ते भाग निकला। मकान मालिक ने इसकी शिकायत कोटा थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। कोटा क्षेत्र के नेवरा में रहने वाले अशोक भारती किराना दुकान संचालक हैं। तीन जून की रात 10 बजे वे परिवार के साथ खाना खाकर सोने चले गए। रात दो बजे आलमारी खोलने की आवाज होने पर उनकी नींद खुल गई। उन्होंने देखा कि कमर के बाहर बरामदे में रखे आलमारी को एक युवक खोलने का प्रयास कर रहा था। उसे देख मकान मालिक ने आवाज लगाई। इस पर चोर वहां से भागने लगा। उसके पीछे मकान मालिक ने भी दौड़ लगा दी। चोर छत के रास्ते भागने में कामयाब हो गया। इस बीच मकान मालिक ने उसे पहचान लिया। किराना दुकान संचालक ने आसपास के लोगों को देकर संदेही के घर गए। वहां उन्होंने घटना की जानकारी दी। इस पर संदेही के भाई ने घटना की शिकायत थाने में करने की सलाह देकर उन्हें वापस भेज दिया। किराना दुकान संचालक ने मामले की शिकायत कोटा थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

खेत में लगी जाली ले गए चोर

बिलासपुर (ए)। कोटा क्षेत्र कि कृषि फार्म से चोरों ने जाली तार पार कर दिया। मामले की शिकायत कोटा थाने में की गई है। कोटा के फिरंगीपारा में रहने वाले नंदकुमार गुप्ता कपड़ा व्यवसायी हैं। उनकी चंगोरी में सात एकड़ का कृषि फार्म है। इसकी देखरेख के लिए उन्होंने मेलाराम पटेल को रखा है। रविवार की सुबह चौकीदार ने फोन कर बताया कि खेत की सुरक्षा के लिए लगाए जाली तार को चोरों ने पार कर दिया है। इस पर व्यवसायी अपने खेत पहुंचे। इसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत कोटा थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पिता की मौत के बाद नहीं थी दिमागी हालात ठीक

परिजनों से कहा था तैयार रहें, पापा के पास जाना है, मां को मारकर किया सुसाइड

भाई-बहन को किया गया रायपुर रेफर

इस खूनी संघर्ष में सुरेंद्र ने किसी नोकीले हथियार से अपनी मां राधिका, बहन सरिता और भाई कृष्णा पर हमला किया था। मां की तो मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि भाई-बहन गंभीर रुप से घायल थे। जिनका मेकाज में इलाज चल रहा था। बेहतर इलाज के लिए दोनों भाई-बहन को रायपुर रेफर किया गया है। इधर, पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बहन बोलने की स्थिति में थी, जिससे पुलिस ने प्रारंभिक बयान ले लिया है। अब बाकी रिश्तेदारों से भी पुलिस पूछताछ कर रही है।

लैब में हो रही खून के धब्बों की जांच

फॉरेंसिक एक्सपर्ट डॉ बी सूरी बाबू के अनुसार, घर की दीवारों में खून के धब्बे देखने से लग रहा है कि जब अचानक हमला हुआ तो खुद को बचाने के लिए दीवार से टकराए होंगे। किचन में कुर्सी और आरोपी के गले में लटके गमछे को देखकर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वह पहले फांसी लगाकर सुसाइड करने वाला था। लेकिन, उसने जहर खा लिया। घर में जहां-जहां खून के धब्बे मिले हैं उनके सेंपल इकट्ठा कर लैब लाया गया है। कुछ दिनों में रिपोर्ट आ जाएगी।

जगदलपुर (ए)। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के एक गांव में अपनी मां को मार कर खुद सुसाइड करने वाले व्यवसायी के पिता की मौत के बाद से दिमागी स्थित ठीक नहीं थी। वारदात के 15 दिन पहले उसने परिवार वालों से कहा था मां, भाई और बहन आप तीनों भी तैयार हो जाओ, पापा हमें बुला रहे हैं। हमें उनके पास जाना है। व्यवसायी की इन हरकतों को लेकर परिजन थोड़ा परेशान भी थे। वहीं मौका पाकर शनिवार-रविवार की देर रात सोए हुए परिवार के सदस्यों पर व्यवसायी ने हमला कर दिया था। वारदात की जांच के बाद यह तथ्य सामने आए हैं। मामला कोड़ेनार थाना क्षेत्र का है।

तोकापाल ब्लॉक के आरापुर के रहने वाले सुरेंद्र कच्छ के पिता की 3 साल पहले मौत हो गई थी। साथ ही व्यापार में करीब 10 लाख रुपए का घाटा हो गया था। जिससे सुरेंद्र को बड़ा झटका लगा और वह दिमागी रूप से बीमार होने लग गया था। जिस रात उसने वारदात को अंजाम दिया था उसी रात अपने चाचा के नाम सुसाइड नोट लिखा था। सुरेंद्र ने अपने चाचा से कहा था कि बालसमुंद चाचा हमें माफ करना, हम पापा के पास जा रहे हैं। मैंने 3 लाख और 7 समेत कुछ और चेक में साइन कर दिया है ये आप के काम आएंगे। मैं ऐसा नहीं करना चाहता था, लेकिन मेरे पास कोई और रास्ता नहीं था।

बिलासपुर में चाट खाकर 22 बच्चों और महिलाओं की बिगड़ी तबीयत, एक की मौत

बिलासपुर (ए)। बिल्हा क्षेत्र के देवकिरारी में रविवार को चाट खाकर एक के बाद एक 22 बच्चों व महिलाओं की तबीयत खराब हो गई। इससे हड़बड़ाए स्वजन बच्चों को लेकर बिल्हा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। सोमवार को चार बच्चों की हालत गंभीर होने पर सिम्स रेफर किया गया। यहां पहुंचने से पहले ही नौ साल की बच्ची ने दम तोड़ दिया। उसकी बड़ी बहन को सिम्स में भर्ती कराया गया है। वहीं, दो बच्चों का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। बिल्हा क्षेत्र के देवकिरारी में रहने वाली त्रिवेणी कोसले ने बताया कि रविवार की शाम गांव में चाट गुपचुप बेचने वाला आया था।

गांव के बच्चों व महिलाओं ने उसके पास से खरीदाकर चाट और गुपचुप खाया। इसके बाद अपने घर आ गए। रात में एक एक कर बच्चों व महिलाओं की तबीयत बिगड़ने लगी। अचानक गांव में एक साथ बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर गांव वाले घबरा गए। उन्होंने डायल 112 और 108 में फोन लगाया। बीमार बच्चों को 112 और एंबुलेंस से बिल्हा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।

यहां पर भर्ती कर 22 बच्चों का उपचार किया जा रहा था। सोमवार को त्रिवेणी की बेटी मीनाक्षी कोसले(09) और साक्षी कोसले(11) की तबीयत बिगड़ने लगी। इसके बाद उन्हें सिम्स रेफर कर दिया। इसके साथ ही दो और बच्चों को सिम्स रेफर किया गया। सिम्स पहुंचने पर डाक्टरों ने मीनाक्षी को मृत घोषित कर दिया। वहीं साक्षी को भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। उपचार के दौरान साक्षी की हालत स्थिर है। दो और बच्चों का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

मिनी ने जिद की तो खिलाया चाट

सिम्स में भर्ती साक्षी अपनी बहन की मौत के बाद से रो रही है। उसने रोते हुए बताया कि चाट वाले को देखते ही मिनी (मीनाक्षी) मचलने लगी। मिनी की जिद के कारण उसने मां से रुपये मांगकर उसे चाट खिलाया। इसके बाद दोनों बहन अपने घर आ गई। अपनी बहन की याद आते ही वह अपना दर्द भूलकर रोने लगती है।

शराब मिलने का पता नहीं बताने पर मार दिया चाकू

बिलासपुर (ए)। सिरगिट्टी क्षेत्र युवकों ने अवैध शराब बिक्री के ठिकाने का पता नहीं बताने पर नाबालिग को चाकू मार दिया। हमले के बाद युवक वहां से भाग निकले। घायल को स्वजन ने अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना की शिकायत पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। सिरगिट्टी क्षेत्र के गणेश नगर में रहने वाले मनीष वर्मा 10वीं के छात्र हैं। रविवार की रात 10 बजे वे मोहल्ले में टहलने के लिए निकले थे। रात 10.30 बजे वे साहू किराना दुकान के पास पहुंचे थे। इसी बीच दो युवक वहां पर आकर

शराब बिकने की जगह पूछने लगे। पता नहीं बताने पर युवकों ने गाली-गलौज करते हुए मनीष पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में लहूलुहान मनीष वहीं पर गिर गया। चाकूबाजी के बीच आसपास के लोग वहां पहुंचे तो युवक वहां से भाग निकले। किसी ने घटना की जानकारी मनीष के भाई अभिषेक को दी। इस पर अभिषेक ने अपने भाई को सिम्स पहुंचाया। इसके बाद घटना की शिकायत सिरगिट्टी थाने में की है। शिकायत पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

बीमा निगम की भर्ती में मुन्नाभाई: एग्जाम सेंटर में दूसरे की जगह परीक्षा देने आ गया युवक, दोनों गिरफ्तार

रायपुर (ए)। रायपुर में हुई कर्मचारी राज्य बीमा निगम की भर्ती में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। यहां कैंडिडेट के नाम पर कोई दूसरा व्यक्ति पहुंचकर परीक्षा दिला रहा था। वो युवक मौके पर पकड़ा गया। एग्जाम कंडक्ट करवा रही एजेंसी ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। मामला सरोना का है, टाटा कंसलटेंसी एजेंसी अपने कैंपस में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के मल्टी टास्किंग स्टाफ के तहत चपरासी के पद पर परीक्षा ले रही थी। इस परीक्षा में शामिल होने के लिए 221 कैंडिडेट पहुंचे हुए थे।

परीक्षा कंडक्ट करवा रही एजेंसी के रुपेश वर्मा ने पुलिस से इस मामले की शिकायत की। रुपेश ने बताया कि सभी परीक्षार्थियों के डॉक्यूमेंट की जांच की जा रही थी। बिहार के जहानाबाद के रहने वाले दिनेश कुमार यादव परीक्षा देने पहुंचा, जब दिनेश का फोटो मतदाता परिचय पत्र चेक किया गया तो परीक्षा दिलाने आए शख्स की तस्वीर मेल नहीं खाई। शक हुआ तो परीक्षा केंद्र के संचालकों ने युवक से पूछताछ की और इस पूरे मामले का खुलासा हुआ। परीक्षा देने आए युवक ने बताया कि उसका नाम मनीष उर्फ अमर सिंह है। वह भी बिहार का रहने वाला है, और दिनेश यादव के कहने पर ही यहां परीक्षा देने पहुंच गया है।

मनीष ने बताया कि दिनेश चरोदा भिलाई में एक कमरा लेकर ठहरा हुआ है। परीक्षा के बाद दोनों एक साथ बिहार लौटने वाले थे। पुलिस मनीष के साथ चरौदा पहुंची और वहां छुपे दिनेश को भी गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पता चला कि मनीष को दिनेश ने परीक्षा में अपनी जगह शामिल होने के लिए 2 से 3 लाख का ऑफर भी दिया था। रुपयों के लालच में आकर मनीष परीक्षा देने पहुंच गया। फिलहाल दोनों को हिरासत में लेकर पुलिस इस पूरे रैकेट को लेकर पूछताछ कर रही है अंदेशा जताया जा रहा है कि इस मामले में और भी लोग शामिल हो सकते हैं।

प्लेसमेंट कंपनी संचालक से की लूटपाट मोबाइल व नकदी ले गए बदमाश

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में बदमाश इस कदर बेखौफ हो गए हैं कि आए दिन आम आदमी लूट और मारपीट की खबरें सामने आ रही हैं। ताजा घटनाक्रम रायपुर के पुराना बस स्टैंड स्थित शराब भट्ठी के पास का है, जहां चार बदमाशों ने प्लेसमेंट कंपनी संचालक से मारपीट कर उससे नकदी और मोबाइल लूट लिया। कुल 72 हजार की लूट बताई गई है। देवेंद्र नगर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान की जा रही है।

देवेंद्र नगर थाने में अविनाश यादव ने लूट की रिपोर्ट लिखाई।

प्रार्थी शनिवार शाम शराब खरीदने पुराना बस स्टैंड पंडरी स्थित अंग्रेजी शराब दुकान गया था। शराब दुकान के काउंटर के सामने खड़ा था। शराब का पैसा देने के लिए उसने हाथ में एक हजार रुपये रखे। इसी दौरान एक युवक आया और पैसा छीन लिया। उसके एक और अन्य साथी ने पीछे से लात-घूसे से मारपीट शुरू कर दी। प्रार्थी जमीन पर गिर गया। उसके अन्य साथी कुल चार बदमाश पहुंच गए और जेब में रखे एक एप्पल फोन, सैमसंग एस-20 प्लस और नकदी रकम सात हजार रुपये लूट कर फरार हो गए।

नार्थ ईस्ट की लड़कियों पर कमेंट करने के बाद हुआ था बवाल, 4 लड़के, 2 युवतियां गिरफ्तार

रायपुर (ए)। रायपुर के वीआईपी रोड स्थित एक होटल के बाहर लड़के-लड़कियों के ग्रुप के मारपीट का एक और वीडियो सामने आया है। 1 दिन पहले इसी घटना का 6 सेकंड का वीडियो सामने आया था। अब 31 सेकंड का एक नया वीडियो सामने आया है। इसमें भी लड़के लड़कियां एक दूसरे से झगड़ते दिख रहे हैं।

नए वीडियो में लड़कियां आरोप लगा रहे हैं रही हैं कि लड़के उनके साथ मारपीट कर रहे हैं। हाथों में सैंडल लिए लड़कियां भी लड़कों को पीट रही हैं । धक्का-मुक्की कर रही हैं। लड़के लड़कियों के साथ गाली गलौज करते हुए, देख लेने की धमकी दे रहे हैं। अब इस मामले में पुलिस ने 4 लड़कों और दो लड़कियों को गिरफ्तार कर लिया है।

तेलीबांधा थाने की पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई की है। पुलिस ने घटना में शामिल अविनाश केशव, शुभम कलार , इमरान रिजवी, अब्दुल रहीम को गिरफ्तार किया है। नीमा डोमा तमांग , ज्योति माला राय नाम की दो लड़कियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

इस वजह से उपजा विवाद

रायपुर की वीआईपी रोड स्थित एक बड़े होटल में 10 लड़कियों का ग्रुप बर्थडे पार्टी मनाने पहुंचा था। लड़के भी इसी होटल में डिनर करने आए थे। बाहर निकलने के दौरान लड़कियां कैब का वेट कर रही थीं। लड़कों ने लड़कियों पर कुछ कमेंट कर दिया। ये सभी लड़कियां नॉर्थ ईस्ट के राज्यों की रहने वाली हैं। रायपुर में अलग-अलग काम करती है। लड़के भी अलग-अलग व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। एक दूसरे पर छींटाकशी की वजह से लड़कियों ने लड़कों पर अटैक कर दिया लड़कों ने भी गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठने लगे। सोशल मीडिया पर लोग कमेंट करने लगे कि वीआईपी रोड इलाके में देर रात तक पार्टियां और अश्लील गतिविधियां होती हैं इस वजह से यह हालात बन जाते हैं । पुलिस ने फौरन एक्शन लेते हुए इस मामले में पहले तो अनजान लोगों पर एफआईआर दर्ज की थी । 24 घंटे के भीतर इस मामले में चार लड़कों और दो लड़कियों को गिरफ्तार किया गया। एक और युवक जो इस घटना में शामिल था, फिलहाल फरार है उसे पुलिस ढूंढ रही है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

जय बालाजी इंडस्ट्रीज ने वृक्षारोपण कर सुरक्षा का लिया संकल्प

दुर्ग। जय बालाजी इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, औद्योगिक विकास केन्द्र रसमड़ा-बोरई में विश्व पर्यावरण दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान परिसर एवं अन्य स्थानों में वृहद पौधा का वितरण एवं रोपण किया गया। साथ ही पौधों को जीवित रखने सुरक्षा का भी संकल्प लिया गया। संस्थान द्वारा इस वर्ष की थीम जन-जागरुकता सिर्फएक ही पृथ्वी (अनमोल पृथ्वी) एवं हवा, पानी, मिट्टी की अनमोलता बताते हुए प्लास्टिक कैरी बैग उपयोग न करने के संबंध में अभियान,पर्यावरण संगोष्ठी,साफ-सफाई , दवाई का छिड़काव, कार्यशाला एवं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया है। कार्यक्रम में महाप्रबंधक एसएम जोशी ने बताया कि आवश्यकता की पूर्ति हेतु वृक्षों का दोहन बड़ी तेजी से किया जा रहा है। जिसका परिणाम आज हमारे सामने है। जो कि कोरोनाकाल में देखने को मिल रहा है। प्रकृति के साथ किए जा रहे इस तरह के खिलवाड़ को रोकना हम सबका दायित्व है। जय बालाजी इण्डस्ट्रीज समूह का उच्च प्रबंधन सदैव से ही अपने कर्मचारियों,श्रमिकों एवं आस-पास के लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रखने के लिए प्रयासरत रहा है। आने वाले समय में ऐसा करके आप स्वयं के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति अपनी कटिबद्धता साबित करते हुए अपने परिवार,समाज व आने वाले पीढियों को खुशहाल रख पाएंगे।

24 छात्रों ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का दिया परिचय

उच्च उद्देश्य के साथ अपने आप को प्रेरित रखें -कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ह्युमन्स केयर एंड डेव्हलपमेंट कांउसलिंग की तरफ से प्रतिभा सम्मान योजना के अंतर्गत चित्रकला, निबंध और शोध प्रतियोगिता का आयोजन उनकी बहुमुखी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रतिवर्ष विगत 10 वर्षों से किया जा रहा है। इस वर्ष पीएस वाय राष्ट्रीय मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा के तीनों विधाओं में जिले के 24 छात्रों ने स्थान प्राप्त किया है।

जारी परिणाम के अनुसार दिल्ली पब्लिक स्कूल भिलाई के छात्र अरूण कुमार ने प्रथम स्थान, खालसा पब्लिक स्कूल दुर्ग के सुखनमन भाटिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। अक्टूबर में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता परीक्षा में निबंध, शोध व चित्रकला की मुख्य परीक्षा में जिले के सभी विद्यालय के छात्रों ने सहभागिता दर्ज कराई थी। चित्रकला प्रतियोगिता का विषय ''बंद स्कूल का कल्पना चित्र'' और ''कोविड वैक्सिनेशन के लिए प्रेरित करना'' और शोध का विषय ''शिक्षा में सुधार के उपाय'', ''वैक्सिनेशन क्यों प्रभावी है'' इत्यादि था। सफल छात्र पीएस वाय के दूसरे चरण परीक्षा के राज्य स्तरीय परीक्षा के लिए चयनित हैं। यहां चयनित होने वाले छात्रों को राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री से सम्मानित होने का अवसर प्राप्त होगा। इस काउंसलिंग का उदद्देश्य युवाओं पर ध्यान केन्द्रित करते हुए सामाजिक, ग्रामीण और शिक्षा में परिवर्तन की रूप रेखा तैयार करना है और जागरूकता और रचनात्मक प्रक्रिया द्वारा ज्ञान का प्रसार करना है।

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने बच्चों को मार्गदर्शन दिया कि उन्हें अपनी बहुमुखी प्रतिभा को निखारने के लिए ऐसी प्रतियोगी स्पर्धाओं में भाग लेते रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अपना उद्देश्य हमेशा उच्च रखें और प्रेरित रहें। प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती और इस बात को जिले के बच्चों ने बखुबी साबित किया है।

आने वाला समय केवल स्कूल के परिणाम तक सीमित नहीं रहेगा यदि हम वर्तमान में नजर डालें तो बड़ी-बड़ी कंपनियां एकेडमिक रिजल्ट से ज्यादा वर्कस या कर्मचारियों के बहुमुखी प्रतिभा की ओर तवज्जो देंगी। स्वयं के व्यक्तित्व निर्माण के लिए भी एक्सट्राकरिक्युलर एक्टिविटी बहुत महत्वपूर्ण है।

जिले को हमेशा से शिक्षा, खेल और कला संबंधित क्षेत्रों में अग्रणी रहने के लिए जाना जाता है जिसका श्रेय यहां के बच्चों की बहुमुखी प्रतिभा को जाता है। इसके साथ-साथ उन्होंने बच्चों को आने वाले भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी अभय जयसवाल, ह्युमन्स केयर एंड डेव्हलपमेंट कांउसिल की सहायक योजना समन्वयक शुभ्रा शुक्ला, अमित कुमार घोष, शिक्षक व अधिकारीगण उपस्थित थे।

दर्श सिन्हा दिल्ली पब्लिक स्कूल भिलाई, निधि दर्शेना, मैत्री विद्या निकेतन दुर्ग,जेआरडी मल्टी हायर सेके. स्कूल दुर्ग एवं आयुशी सिंह ज्योति हायर सेके. स्कूल चरौदा ने जिला स्तर पर स्थान प्राप्त किया।

निदान 40 का समापन, आयुक्त करेंगे अब पेंडिंग प्रकरणों की समीक्षा

टाउनशिप के 3 वार्ड के लिए शिविर, 253 लोगों मे से 95 ने बताया राशन कार्ड की समस्या

गुमास्ता और राशन कार्ड का किया वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधायक व गृह एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री ताम्रध्वज साहू के निर्देश पर शुरू किए गए निदान 40 16 वां अंतिम शिविर इस्पात क्लब रिसाली में सोमवार को लगाया गया। जहां 253 आवेदन आए। इनमें 95 ऐसे थे जो राशन कार्ड से संबंधित थे।

शिविर रिसाली सेक्टर पूर्व पश्चिम और डीपीएस रिसाली सेक्टर के लिए लगाया गया था। शिविर में पहुंचे लगभग आधे लोग ऐसे थे जिनका राशन कार्ड और आधार कार्ड त्रुटिपूर्ण था। शिविर में कार्ड संशोधन करने फार्म भराकर पीडीएफ खाद्य विभाग को भेजा गया। शिविर स्थल पर पूरे समय महापौर शशि-अशोक सिन्हा, एमआईसी सद्स्य चन्द्रभान सिंह ठाकुर, सोनिया देवांगन, ईश्वरी साहू, अनूप डे, पार्षद डॉ. सीमा साहू, विनय नेताम, जमुना ठाकुर, चन्द्रप्रकाश निगम उपस्थित थे।

गुमास्ता का वितरण

महापौर शशि-अशोक सिन्हा व महापौर परिषद के सद्स्य अमित कुमार गांगूली को गुमास्ता व स्नेहलता धडके को बीपीएल राशन कार्ड का वितरण किया गया। इसके अलावा अन्य हितग्राहियों को भी सुधार के बाद तैयार राशन कार्ड दिया गया। शिविर में मूलभूत समस्या को दूर करने के साथ ही शासन की योजनाओं को शहर के अंतिम छोर तक पहुंचाना एक मात्र उद्देश्य था। इसी क्रम में सोमवार को 24 लोगों ने आयुष्मान कार्ड बनवाया। वहीं 2 लोग जन्म-विवाह के प्रमाण पत्र बनाने पहुंचे थे।

आवेदन पर एक नजर
पंजीयन - 253
प्राप्त आवेदन - 235
निराकरण - 86
प्रक्रियाधीन - 149

राष्ट्रीय स्तर की छात्रवृत्ति परीक्षा में हनोदा स्कूल के दो विद्यार्थियों ने मारी बाजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शालोय शिक्षा एवं साक्षरता विभाग नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सह साधन प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में जिले के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला हनोदा के विद्यार्थी पुष्पांजलि चंद्राकर और पीयूष खुटेल का चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थियों ने गणित शिक्षिका प्रज्ञा सिंह के मार्गदर्शन में परीक्षा की तैयारी की थी। विद्यार्थियों के चयन से दुर्ग का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। राष्ट्रीय सह साधन प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए शाला की गणित शिक्षिका प्रज्ञा सिंह के मार्गदर्शन में विगत 11 वर्षों से इस परीक्षा की तैयारी करवाई जा रही है। प्रति वर्ष विद्यालय के बच्चों का इस कठिन परीक्षा में चयन होता है। अभी तक 16 बच्चे चयनित हो चुके हैं। इस वर्ष प्रज्ञा सिंह ने संकुल हनोदा की अन्य शाला बोरसीभाटा के बच्चों को इस परीक्षा में शामिल होने प्रेरित किया एवं संकुल में गणित और मानसिक योग्यता की कक्षाएं ली। साथ ही वीडियो और पठन सामग्री नियमित रूप वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से बच्चों को उपलब्ध करवाए । लॉकडाउन में भी लगातार ऑनलाइन क्लास के माध्यम कक्षा ली। पोटिया धमधा के शिक्षक पवन कुमार सिंह द्वारा भी संकुल में कक्षाएं ली गई। उनके द्वारा बनाई गई पठन सामग्री अत्यंत लाभदायक रही। विकास खंड शिक्षा अधिकारी डॉ केवी राव ने सत्र की शुरुआत में ही राष्ट्रीय सह साधन प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए ठोस रणनीति बनाई थी। तात्कालिन जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल ने संपूर्ण जिले में इस परीक्षा की तैयारी करवाई।

गौठान में मल्टी एक्टिविटी से प्रभावित हुए महापौर नीरज पाल

महिलाओं द्वारा बनाए गए प्रोडक्ट्स को महापौर सहित एमआईसी सदस्यों ने खरीदा

मुर्गी पालन का व्यवसाय करेंगी महिलाएं, रोजगार का बेहतर जरिया बना शहरी गौठान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एक और जहां शहरी गौठान में महिलाएं अलग-अलग गतिविधियों को अपनाकर आय के स्त्रोत का जरिया निर्मित कर रही हैं वही अब अलग-अलग व्यवसाय से महिलाओं को रोजगार भी मिल रहा है, महापौर एवं एमआईसी सदस्यों ने महिलाओं के द्वारा निर्मित किए गए उत्पादों की खरीदी की, शहरी गौठान में उत्तम क्वालिटी के प्रोडक्ट तैयार किए जा रहे हैं। महापौर नीरज पाल ने शहरी गौठान का भ्रमण कर महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे प्रोडक्ट्स एवं मल्टी एक्टिविटीज से काफी प्रभावित हुए। उन्होंने स्वयं अगरबत्ती बनाने की मशीन को आजमाया, कहा कि यह बेहद कारगर व्यवसाय है। छोटे-छोटे कार्यों से बड़ी सफ्लता हासिल होगी। उन्होंने फूलों से बनाए जा रहे साबुन, गुलाल तथा फर्श को पोछा लगाने के लिए झाड़ू, फिनाइल, धार्मिक कार्यक्रमों के लिए बनाए जा रहे अगरबत्ती, किशोरियों एवं महिलाओं के लिए बनाए जा रहे सेनेटरी पैड आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, एमआईसी सदस्य एवं स्वास्थ्य प्रभारी लक्ष्मीपति राजू, सामान्य प्रशासन विभाग के प्रभारी संदीप निरंकारी, पर्यावरण एवं उद्यान की प्रभारी नेहा साहू, गरीबी उपशमन एवं सामाजिक कल्याण विभाग के प्रभारी चंद्रशेखर गवई, वाहन शाखा के प्रभारी एमआईसी सदस्य लालचंद वर्मा एवं रवि शंकर कुर्रे, निगम के कार्यपालन अभियंता डीके वर्मा, सहायक अभियंता आर एस राजपूत, उप अभियंता गौरव अग्रवाल, स्व सहायता समूह की महिलाएं सुलोचना धनकर, पूनम साहू, एवं रेखा बघेल आदि मौजूद रहे।

हसदेव जंगल बचाने की मांग को लेकर जिले के पर्यावरण संगठनों ने निकाली बाइक रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हसदेव जंगल में पेड़ों की कटाई बंद कर इसे बचाने की मांग को लेकर जिले के पर्यावरण संगठनों ने आज शहर में बाइक रैली निकाली इस बाइक रैली में बड़ी संख्या में शहर सहित आसपास ग्रामों के पर्यावरण प्रेमी शामिल हुए जिन्होंने पेड़ों की कटाई बंद कर हसदेव बचाने के नारे लगाते हुए शहर का भ्रमण किया। जिले के पर्यावरण संगठनों आदर्श युवक मंडल पोटिया,हरित क्रांति संगठन कोडिया, हितवा संगवारी डुन्डेरा , पीपुल फार एनीमल भिलाई, सृजनशील युवा एवं महिला मंडल पिसेगांव, एनवायरमेंट हीरोज अछोटी,गायत्री परिवार दुर्ग, पर्यावरण मित्र समिति रिसाली सहित विभिन्न संगठनों एवं पर्यावरण प्रेमी सबसे पहले पुराना बस स्टैंड दुर्ग के पास एकत्रित हुए जहां से हसदेव बचाने बाइक रैली निकाली जो गांधी चौक,नया बस स्टैंड, राजेंद्र पार्क,ग्रीन चौक, अग्रसेन चौक, फरिश्ता कंपलेक्स, इंदिरा मार्केट होते हुए वापस पुराना बस स्टैंड में आकर समाप्त हुआ। इस दौरान रैली में शामिल पर्यावरण कार्यकर्ता अपने हाथों में हसदेव बचाने से संबंधित स्लोगन लिखी हुई तख्तियां लेकर चल रहे थे। रैली के दौरान पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने लोगों को बताया कि हसदेव का जंगल मध्य भारत का फेफड़ा कहा जाता है जहां के जंगलों में लगे पेड़ों कोयला खनन के नाम पर काटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह जंगल जैव विविधता से भरा हुआ है यहां के पेड़ों को काटकर कोयला उत्खनन किए जाने से कई वर्षों से कायम जैव विविधता खत्म हो जाएगी साथ ही इसका पर्यावरण पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा पेड़ों की कटाई की वजह से पहले ही पर्यावरण प्रदूषण समस्या बनी हुई है यदि जंगल को काटा जाता है तो पर्यावरण पर इसका असर होने के साथ-साथ यहां रहने वाले आदिवासियों की आजीविका एवं जंगल में रहने वाले वन्य प्राणी तथा जीव जंतु भी प्रभावित होगी। उन्होंने लोगों से अपील किया कि सबकी जागरूकता से ही हसदेव की जंगल को बचाया जा सकता है। इसलिए सभी व्यक्तिगत स्तर पर पत्र लिखकर हसदेव बचाने मुहिम चलाएं साथ ही उन्होंने सौर ऊर्जा के ज्यादा से ज्यादा उपयोग के लिए अनुसंधान किए जाने की भी मांग सरकार से की ताकि कोयला का उपयोग कर बिजली उत्पादन की निर्भरता को कम किया जा सके।

बंद का नहीं हुआ असर

पर्यावरण संगठनों ने हसदेव जंगल में पेड़ों की कटाई के विरोध में आज दुर्ग शहर बंद का आह्वान किया था मगर शहर की सभी दुकानें सामान्य दिनों की तरह ही खुली रही इसके बावजूद भी इस दौरान आयोजित बाइक रैली में लोगों ने बढ़ चढ़कर अपनी भागीदारी देकर हसदेव बचाने अपनी आवाज बुलंद की।

पोटिया में हो रही है सागौन की अवैध कटाई

जमीन से मात्र 5-6 फीट ऊंचाई पर लटक रहे बिजली के तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जनदर्शन में एक आवेदन विद्युत विभाग के लिए आया था जिसमें 2 बिजली खंभों के बीच में बिजली का तार जमीन से मात्र 5 से 6 फीट उपर है, ऐसा आवेदक का कथन था। प्रकरण ग्राम करेली का है जिसमें आवेदक ने बताया कि वह कृषक है और उसके खेत के पास लगे बिजली के खंभों से जाने वाले बिजली के तार की ऊंचाई मात्र 5-6 फीट है बिजली के तार के नीचे होने से वहां से गुजरने वालों के लिए हमेशा जान माल का खतरा बना रहता है।

खेत के लिए इन तारों के नीचे से टेक्टर, बैल और खेतीहर मजदूर प्रतिदिन गुजरते हैं। इस बीच कोई भी अनहोनी घटना न घटित हो इसके लिए कृषक का कलेक्टर से निवेदन था कि बिजली के तारों की ऊंचाई को बढ़वा दिया जाए। कलेक्टर ने संबंधित मामले का संज्ञान लेते हुए सीएसपीडीसीएल के अभियंता को प्रेषित किया और शीघ्र निराकरण के लिए कहा।

इसके अलावा आदर्श नवयुवक मंडल के सदस्य सागौन वृक्ष की अवैध कटाई का मामला लेकर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत हुए। जिसमें मंडल के सदस्यों ने बताया कि विगत कुछ वर्षों से ग्राम पोटिया के क्षेत्र में कुछ आसामाजिक तत्वों द्वारा सागौन वृक्ष की अवैध कटाई हो रही है। उन्होंने ये भी बताया कि शासन और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए मंडल द्वारा 01 वर्ष पूर्व अनुविभागीय अधिकारी धमधा को विषय वस्तु पर आवेदन दिया गया था और मामला संज्ञान में लाया गया था। इस संदर्भ में उन्होंने आगे जानकारी दी कि काटे गए सागौन के वृक्ष, कृषक तिरथ राम देशमुख के खेत में पिछले 01 वर्ष से पड़े हैं। इसके चलते कृषक के खेत पहुंचने का मार्ग भी बाधित हो गया है, कटे हुए वृक्ष कृषि स्थल में होने के चलते कृषक अपने खेत में कोई फसल नहीं लगा पा रहा है और कई बार निवदेन करने के पश्चात् भी स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है।

कई बार हमने आस-पास के ग्रामीण युवाओं के सहयोग से होने वाले इस अवैध वृक्ष कटाई के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य भी संबंधित विभाग को उपलब्ध कराया है परंतु निरंतर उनके अनदेखी के चलते आज ये मामला कलेक्टर जनदर्शन में रखा है। कलेक्टर ने पूरी स्थिति का संज्ञान लिया और संबंधित मामले को वन विभाग के डीएफओ को प्रेषित किया और विधिपूर्ण कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया।

विद्युत विभाग से संबंधित एक और मामला बेलौदी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से आया था। जिसमें वहां के प्राचार्य ने स्कूल परिक्षेत्र के अंदर लगे विद्युत पोल को हटवाने के लिए यह आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इसके लिए पहले भी वो आवेदन कनिष्ठ यंत्री नगपुरा के पास लगा चुके थे।

जिसमें विभाग से उन्हें पोल शिफ्टिंग के लिए प्रकलन राशि के तौर पर लगभग 20 हजार रूपए जमा करवाने के लिए कहा गया था। परंतु प्राचार्य ने बताया कि चूंकि विद्यालय शासकीय है और विद्युत पोल खेल मैदान में है इसलिए विद्यार्थियों की सुरक्षा के दृष्टिकोण से पोल शिफ्टिंग जरूरी है। इसलिए उन्होंने निवेदन किया कि पोल को शीघ्र हटवा दिया जाए। कलेक्टर ने मामले का संज्ञान लेते हुए सीएसपीडीसीएल के अधिकारी को पत्र प्रेषित किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950